# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 191- बुधवार 13 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028


# नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द

## पेपर लीक मामले की जांच अब सीबीआई करेगी...

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है। एजेंसी ने यह निर्णय पेपर लीक के गंभीर आरोपों और प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के बाद लिया। केंद्र सरकार ने पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी है। एनटीए ने कहा है कि परीक्षा की नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी। इस वर्ष नीट-यूजी परीक्षा में करीब 22.79 लाख छात्र शामिल हुए थे। एजेंसी के अनुसार दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों को पुनः रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा और पहले से आवंटित परीक्षा केंद्रों में भी बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि री-एग्जाम के लिए नए एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे। परीक्षा शुल्क भी छात्रों को वापस किया जाएगा। एनटीए ने जानकारी दी कि 8 मई 2026 को ही इस मामले से जुड़ी प्रारंभिक जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दी गई थी, ताकि परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मामले की जांच में राजस्थान का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला कि कथित 'गेस पेपर' परीक्षा से पहले छात्रों के बीच सर्कुलेट हुआ था और उसमें शामिल कई सवाल असली प्रश्नपत्र से मेल खा रहे थे। सूत्रों के अनुसार पेपर छपने से पहले ही प्रश्न कथित नकल गिरोह तक पहुंच गए थे। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने सोमवार को देहरादून,सीकर और झुंझुनूं से 15 संदिग्धों को हिरासत में लिया। जांच एजेंसी ने जयपुर से मनीष नामक एक व्यक्ति को पकड़ा है, जिसे इस पूरे नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इस गिरोह ने असली प्रश्नों के साथ अन्य सवाल जोड़कर एक 'क्वेश्चन बैंक'तैयार किया था,जिसे बाद में 'गेस पेपर'के रूप में छात्रों तक पहुंचाया गया। जांच एजेंसियों का मानना है कि नेटवर्क राजस्थान के अलावा कई अन्य राज्यों तक फैला हो सकता है।

जांच में यह भी सामने आया है कि परीक्षा के कुल 720 अंकों में से 600 अंकों के सवाल परीक्षा से दो दिन पहले ही सीकर में कुछ छात्रों तक पहुंच गए थे। कथित तौर पर यह सामग्री केरल के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे छात्र द्वारा 1 मई को सीकर स्थित अपने परिचित को भेजी गई थी। छात्रों तक पहुंचाए गए क्वेश्चन बैंक में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से अधिक सवाल थे। इनमें से करीब 150 सवाल हूबहू नीट-यूजी 2026 परीक्षा में आए।

### नीट परीक्षा रद्द होना युवाओं के भविष्य के साथ अपराध : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने पर केंद्र सरकार निशाना साधते हुए कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत,त्याग और सपनों को भ्रष्ट व्यवस्था ने कुचल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार ने युवाओं का भविष्य खतरे में डाल दिया है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की,लेकिन बदले में उन्हें मिला पेपर लीक और भ्रष्टाचार। यह केवल नाकामी नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। उन्होंने कहा कि हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सजा भुगतते हैं। अब लाखों छात्र फिर से मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता झेलेंगे। अगर शिक्षा का मतलब परिश्रम से नहीं बल्कि पैसे और पहुंच से तय होगा तो फिर शिक्षा का महत्व क्या रह जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के अमृतकाल को देश के लिए विषकाल करार दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा को रद्द करते हुए दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया है। एजेंसी ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर यह निर्णय लिया है।

### नीट परीक्षा रद्द होने पर कांग्रेस ने उठाए एनटीए के अस्तित्व पर सवाल

कांग्रेस ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अस्तित्व और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होना एनटीए की विफलता का ताजा उदाहरण है, जिसने इसके उद्देश्य और कार्यक्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा कि शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 371वीं रिपोर्ट में उल्लेख किया था कि केवल 2024 में ही एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से 5 में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले सामने आए। जेईई मेन्स 2025 में उत्तर कुंजी में त्रुटियों के कारण 12 प्रश्न वापस लेने पड़े, जबकि सीयूईटी में लगातार देरी से विश्वविद्यालयों का शैक्षणिक कैलेंडर प्रभावित हुआ और छात्रों को निजी विश्वविद्यालयों की ओर धकेला गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि एनटीए लगातार संसद को अपनी वार्षिक रिपोर्ट देने में विफल रही है और केवल ऑडिटेड वित्तीय विवरण ही उपलब्ध कराती रही है। सरकार ने पुरानी प्रवेश प्रक्रियाओं को खत्म कर भ्रष्टाचार से ग्रस्त केंद्रीकृत व्यवस्था लागू की और यह सुनिश्चित किया कि वह संसद के प्रति जवाबदेह न रहे।जयराम ने कहा कि 16 जून 2024 को शिक्षा मंत्री ने स्वीकार किया था कि एनटीए को बहुत सुधार की जरूरत है।

### महाराष्ट्र के नासिक से प्रिंटिंग प्रेस संचालक हुआ गिरफ्तार

मेडिकल प्रवेश के लिए आयोजित नीट परीक्षा 2026 की प्रश्नपत्रिका लीक मामले में महाराष्ट्र के नासिक का कनेक्शन सामने आया है। इस मामले में नासिक स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस के संचालक की संलिप्तता उजागर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी नासिक पुलिस आयुक्तालय के क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त किरण चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके और परिमंडल दो के पुलिस उपायुक्त किशोर काले ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में दी। पुलिस के अनुसार, 03 मई को देशभर में नीट परीक्षा आयोजित की गई थी, लेकिन उससे पहले ही प्रश्नपत्र लीक होने की जानकारी सामने आने के बाद परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया। इस घटना से देशभर के लाखों छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया है। जांच में सामने आया है कि प्रश्नपत्र नासिक की एक प्रिंटिंग प्रेस में छापा गया था। इसके बाद इस प्रश्नपत्र के हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, बिहार और केरल जैसे राज्यों तक पहुंचने के संदिग्ध रास्ते भी उजागर हुए हैं। इस घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष आकाश छाजेड ने पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून बनाकर दोषियों को आजीवन कारावास की सजा देने की मांग की है। साथ ही इस मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की गई है। छात्रों के भविष्य को प्रभावित करने वाली इस घटना से देशभर में गुस्सा और चिंता का माहौल है।

## एन रंगासामी आज पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की लेंगे शपथ

**पुडुचेरी,12 मई 2026।** ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआई एनआरसी) के अध्यक्ष एन रंगास्वामी आज पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र शासित राज्य पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने जा रही है। मुख्यमंत्री रंगासामी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार में पिछली बार की तरह ही भारतीय जनता पार्टी को दो मंत्री पद देने पर सहमति बनी है। शुरु में रंगासामी ने केवल एक मंत्री पद देने की बात कही थी, लेकिन बाद में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के साथ हुई सीधी बातचीत के बाद द्य रंगासामी भाजपा के दो मंत्री बनाने पर सहमत हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह 9:47 बजे राजभवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन एआई एनआरसी के नेता रंगासामी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में यह रंगासामी का पांचवां कार्यकाल होगा। हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दलों में एनआर कांग्रेस ने 12 सीटों पर, भाजपा ने 4 सीटों पर, अखिल भारत अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गमने 1 सीट पर और एलजेके ने 1 सीट पर जीत हासिल की है। कुल 18 सीटों पर जीत के साथ यह गठबंधन फिर से सरकार बना रहा है। वहीं इस चुनाव में डीएमके ने 5, टीवीके 2,कांग्रेस ने 1 और नेयम् लोग पार्टी ने 1 सीट पर जीत दर्ज की। इसके अलावा 3 निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी हुए हैं।

## पीएम मोदी की अपील पर शरद पवार ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कटौती वाली अपील पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मध्य पूर्व में अस्थिर और युद्धग्रस्त हालात को देखते हुए, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले कुछ घोषणाएं कीं। इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। चूंकि ये घोषणाएं अचानक की गई,इसलिए आम जनता-व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ निवेशकों के बीच भी बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह निस्संदेह रूप से चिंता का विषय है।' उन्होंने पीएम मोदी से अपील करते हुए कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी दलों के नेताओं को विश्वास में लेकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लागू करना देश के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। शरद पवार ने आगे लिखा, 'इसके साथ ही, प्रधानमंत्री को देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और संबंधित विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाकर स्थिति की गहन समीक्षा करनी चाहिए।

## मप्र के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता केजीपी-12 के 4 शावकों की मौत

**श्योपुर,12 मई 2026।** मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले जन्मे मादा चीता केजीपी-12 के चारों शावकों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह जब मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन पहुंची, तब उन्हें डेन साइट के पास चारों शावकों के शव मिले। वन विभाग ने प्रेस नोट जारी कर इसकी पुष्टि की है। विभाग ने जानकारी दी कि एक महीने पहले 11 अप्रैल 2026 को चारों शावकों का जन्म हुआ था। मॉनिटरिंग टीम ने 11 मई की शाम को इन्हें अंतिम बार जीवित देखा था। ये महज एक महीने के थे। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे गश्ती टीम जब नियमित मॉनिटरिंग के लिए पहुंची, तो मांद के पास चारों शावकों के शव मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है, हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगी। घटना के बाद गश्ती दल ने तुरंत वरिष्ठ वन अधिकारियों को सूचना दी।

# हिमंता दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने

## 2 बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से मंत्री बने,सभी ने असमिया में शपथ ली,मोदी-शाह मौजूद रहे

**गुवाहाटी,12 मई 2026।** हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली,अजंता ने ओम, एजीपी के अतुल बोरा,बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के नेता चरण बोरो ने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। असम के गुवाहाटी पहुंचे बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैंने मां कामाख्या के सामने श्रद्धा व्यक्त की है। असम के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि नॉर्थ ईस्ट के विकास के लिए असम,ओडिशा, बिहार, सिक्किम जैसे राज्य मिलकर काम करेंगे। हिमंता बिस्वा सरमा मेरे बड़े भाई की तरह हैं। मेरे उनके अच्छे संबंध हैं। हिमंता बिस्वा सरमा का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प रहा है। 2015 में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर अमित शाह की पहल पर भाजपा का दामन थामा था। उस समय असम में कांग्रेस का दबदबा था और भाजपा के पास केवल पांच विधायक थे, लेकिन हिमंता सरमा ने भाजपा को पूर्वोत्तर में मजबूत करने के लिए रणनीतिक तरीके से काम किया। 2016 में भाजपा ने उन्हें नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का संयोजक बनाया।

### हिमंता असम को विकास की राह पर ले जाएंगे

त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने कहा कि असम में भाजपा की सरकार बनने पर हम बहुत खुश हैं। बीजेपी एनडीए ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में चुनाव जीते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा असम को विकास की राह पर आगे ले जाएंगे।

### सरमा के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी

गुवाहाटी में हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- असम और यूपी की जनता बहुत खुश है क्योंकि डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम में एनडीए सरकार बनी है। बीजेपी राज्य के समग्र विकास के लिए काम करती है।

## एआईएडीएमके के बागी गुट से मिले सीएम विजय फ्लोर टेस्ट में 30 और विधायक होंगे साथ!

**चेन्नई,12 मई 2026।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने फ्लोर टेस्ट से पहले ए आई ए डी एमके के बागी गुट के नेताओं सीवी षणमुगम और एसपी वेलुमणि से मुलाकात की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने फ्लोर टेस्ट से पहले एआईएडीएमके के बागी गुट के नेताओं सीवी षणमुगम और एसपी वेलुमणि से मुलाकात की। तमिलनाडु विधानसभा में कल होने वाले अहम फ्लोर टेस्ट से पहले राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री और टीवीके प्रमुख सी। जोसेफ विजय ने मंगलवार को एआईएडीएमके के बागी नेताओं एसपी वेलुमणि और सीवी षणमुगम से मुलाकात की। इस मुलाकात को बेहद अहम माना

जा रहा है, क्योंकि वेलुमणि-षणमुगम गुट के पास ए आई ए डीएमके के 47 में से करीब 30 विधायकों का समर्थन बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि ये विधायक फ्लोर टेस्ट में टीवीके सरकार के पक्ष में वोट कर सकते हैं। विजय अपने चर्चित ब्लैक सूट और व्हाइट शर्ट में स्थानीय एआईएडीएमके कार्यालय पहुंचे, जहां षणमुगम, वेलुमणि और पार्टी के कई अन्य नेता मौजूद थे। नेताओं ने फूलों के गुलदस्ते देकर उनका स्वागत किया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान कई एआईएडीएमके नेता विजय से बातचीत करते नजर आए। विजय ने भी वेलुमणि और षणमुगम और एआईएडीएमके के अन्य सदस्यों के साथ लंबी चर्चा की। कुछ दिन पहले तक जब तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई थी,षणमुगम और वेलुमणि ने खुलकर विजय को समर्थन देने की बात कही थी। विजय की टीवीके ने हालिया तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 234 में से 108 सीटें जीतीं। हालांकि पार्टी बहुमत के आंकड़े से 10 सीट पीछे रह गई, जिसके बाद उसे गठबंधन का सहारा लेना पड़ा। इसी दौरान एआईएडीएमके नेताओं षणमुगम और वेलुमणि ने दावा किया था कि उनके साथ पार्टी के 30 विधायक हैं और वे टीवीके को समर्थन देने के लिए तैयार हैं।

## पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने पेट्रोल-डीजल की किल्लत को नकारा,कहा...अभी 60 दिन का भंडार...

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** पश्चिम एशिया में तनाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति रो लेकर चिंता और अफवाह बढ़ गई है। इस पर मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं और किसी को घबराना नहीं चाहिए। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में पुरी ने कहा कि देश के पास 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार सुरक्षित है। पुरी ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पाद की कमी नहीं है। भारत के पास 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों का एलपीजी भंडार है। पुरी ने कहा कि कुछ लोगों ने कालाबाजारी की और अफवाह फैलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ईंधन में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने कहा कि कई देशों में तेल के दाम और उपलब्धता में उतार-चढ़ाव है,लेकिन भारत पर असर नहीं दिखा। पुरी ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बीच निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत ने अपने दैनिक एलपीजी उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि 35,000 टन से बढ़ाकर 54,000 टन की है। उन्होंने कहा,डेढ़ दिन से यह घबराहट क्यों मची हुई है?

## यमुना नदी में छह लोग डूबे

### 4 की मौत व 2 को बचाया गया

**आगरा,12 मई 2026।** उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को यमुना नदी में नहाने के दौरान छह लोग डूब गए। रेस्क्यू के दौरान दो लोगों को बचालिया गया लेकिन चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। बताया गया कि सोमवार की शाम आगरा के विद्यापुरम फाउंड्री नगर निवासी सौरभ पुत्र भूरी सिंह नाई की पुत्री नित्या (एक वर्ष) के जन्मदिन का कार्यक्रम था। इस बर्थडे पार्टी में कुछ रिश्तेदार बाहर से आए थे। मंगलवार को सभी यमुना नदी नहाने गये। नहाने के

दौरान दोहपर करीब एक बजे दोपहर थाना क्षेत्र कमला नगर अंतर्गत यमुना नदी के बल्केश्वर घाट पर दो बच्चे नदी की गहराई की ओर जाने लगे और डूबने लगे। बच्चों को बचाने गए अन्य लोग भी डूबने लगे।

## सबरीमला मामले पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी...

# निषेध है या नहीं,यह अंतरात्मा की बात

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौखिक रूप से कहा कि सबरीमला मंदिर में मासिक धर्म की आयु वाली महिलाओं को प्रवेश से रोकना निषेध' है या नहीं, आखिरकार यह अंतरात्मा की बात है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि अगर लोग, अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के जरिये,मिलकर यह तय करते हैं कि इस प्रथा में सामाजिक सुधार की जरूरत है,तो कोर्ट शायद ऐसे सुधार को मान लेगा। सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ केरल के सबरीमला मंदिर समेत धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और दाऊदी बोहरा समेत कई धर्मों की धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा

और क्षेत्र से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। पीठ में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना, जस्टिस एम एम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, जस्टिस प्रसन्ना बी वराले, जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। इस मामले में कुछ पक्षों की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने सबरीमला मंदिर के बारे में कहा कि महिलाओं को मंदिर में जाने से रोकने का पूरा कारण उनके पीरियड्स की उम्र है। हंसारिया ने कहा, मुझे 10 साल की लड़की समझिए। मैं परिवार के साथ (मंदिर) जा रही हूं। पीरियड्स के बारे में, यह एक निषेध है जस्टिस नागरत्ना ने कहा, अगर आप इसे निषेध मानते हैं तो यह निषेध है और अगर आप इसे निषेध नहीं मानते (तो यह नहीं है) सवाल यह है कि आप इसे कैसे देखते हैं।

# संपादकीय

## नई रक्षा तकनीक अपनाए भारत

रूस यूक्रेन से दस गुना शक्तिशाली परमाणु महाशक्ति है, लेकिन चार साल लंबी लड़ाई के बावजूद यूक्रेन को नहीं झुका पाया है। अमेरिका ईरान से सौ गुना शक्तिशाली परमाणु महाशक्ति है,मगर दो महीनों के विनाशकारी हमलों के बावजूद ईरान को नहीं झुका पाया है। कारण शायद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के गत माह के उस दावे में छिपा है कि उनकी सेना के स्वायत्त रूप से काम करने वाले रोबोट वाहनों और ड्रोन प्रणाली ने एक रूसी मोर्चे पर कब्जा कर लिया और तीन रूसी सैनिकों को बंदी बना लिया। लगता है दुनिया फिर उस युग में प्रवेश कर रही है,जहां सेनाओं की जगह उनके शस्त्रास्त्रों का आपस में संग्राम हुआ करेगा।

यूक्रेन इस समय रूसी सैनिकों,वाहनों और ठिकानों को नष्ट करने,युद्ध में फंसे सैनिकों को रसद पहुंचाने और घायल सैनिकों को निकालने के लिए स्वायत्त रूप से काम करने वाली रोबोट प्रणाली का प्रयोग कर रहा है। चार साल से चल रही लड़ाई में यूक्रेन के लगभग डेढ़ लाख सैनिक मारे जा चुके हैं,इसलिए वह रूस की सीमा पर 30 से 40 किमी चौड़ी पट्टी को ऐसे क्षेत्र में बदलना चाहता है,जहां स्वायत्त रोबोट और ड्रोन दुश्मन को देखते ही मार दें। पिछले साल जून में उसने सौ से अधिक ड्रोन के जरिये रूस में चार हजार किमी भीतर तक हवाई ठिकानों के एक तिहाई विमानों को नष्ट कर दिया था। ऐसे शस्त्रास्त्रों के विकास में रूस भी पीछे नहीं है।

यूक्रेन ने पिछले साल रूस का एक ऐसा ड्रोन पकड़ा था जो एआइ से चलने के कारण दुश्मन के ठिकानों की खुद टोह लगाकर नष्ट करने की क्षमता रखता था। इसे सामान्य ड्रोन की तरह संकेत लेने और भेजने की जरूरत नहीं थी,इसलिए उसे जाम भी नहीं किया जा सकता था। रूस के रक्षा उद्योग के बारे में यह धारणा रही है कि वह केंद्रीय नियंत्रण और सेना की संस्थागत परंपराओं की जकड़न में बंधा है, जहां कोई व्यापक परिवर्तन बड़ी मुश्किल से होता है। हालांकि यूक्रेन युद्ध की चोट ने उसके पारंपरिक सोच को बदल दिया है। इस क्रम में रूस ने शुरुआत ईरान के शाहीन ड्रोन से की थी,जिनमें परिष्कार करते हुए वह स्वायत्त रूप से काम कर सकने वाले ड्रोनों तक पहुंचा है। उसने एआइ और स्वायत्त शस्त्रास्त्रों के विकास के लिए अपने रक्षा अनुसंधान क्षेत्र को पूरी तरह खोल दिया है। निजी क्षेत्र के स्टार्टअप, प्रयोगशालाएं और यहां तक कि कुछ स्कूल भी ड्रोन और रक्षा उपकरणों में एआइ से स्वायत्त क्षमता के विकास में लगे हैं।

युद्ध के मैदान से हर रोज हजारों वीडियो आते हैं,जिनका आकलन कर उनकी जानकारी को ड्रोन और स्वायत्त वाहनों में भरा जाता है। स्वायत्त ड्रोनों और रोबोट वाहनों को मानवाधिकार कार्यकर्ता 21वीं सदी का परमाणु बम बताते हैं। इन स्वायत्त प्रणालियों के प्रयोग से जहां सैनिकों की जान का जोखिम कम होगा वहीं आम नागरिकों की जान का जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि एआइ से काम कर रहा ड्रोन सैनिक और नागरिक में कैसे भेद कर पाएगा? लड़ रहे सैनिक और समर्पण कर रहे सैनिक में कैसे भेद कर पाएगा? रूस तो यह सब चार साल से चल रही लड़ाई जीतने के लिए बना रहा है,क्योंकि उसे यूक्रेन के नागरिकों को होने वाले नुकसान की परवाह नहीं है,लेकिन यूरोप,अमेरिका और भारत जैसे देशों को स्वायत्त प्रणालियों के जोखिम पर भी विचार करना होगा।इसके बावजूद अमेरिका पूरे जोश के साथ स्वायत्त रक्षा प्रणालियों के विकास में जुटा है।

# नीट परीक्षा रद्द,छात्र परेशान,सड़क पर हंगामा

संजय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

तीन मई को संपन्न हुई नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया,जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र से कों पर उतर आए,आक्रोश की लहर दौ गई। सरकार ने आनन-फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है,लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरुआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात,पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है,जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार,गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है,लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें।

पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं,जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया,जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए,लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हे कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट

रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवो कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की। आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है।

वैसे,पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है,मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई,कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार हैं। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। कई मामलों में अधिकारी ही शामिल पाए गए, जिससे जांच प्रभावित होती है। कार्रवाई दिखावटी रह जाती है। परीक्षा लीक मामले में न्यायपालिका ने कई बार सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी लीक पर केंद्र को फटकार लगाई और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। यूपीटीईटी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लग सकता। 2023 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा पर पटना हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने स्पष्ट कहा कि पेपर लीक पारदर्शिता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल सर्विलांस और सख्त सुरक्षा के निर्देश दिए। लेकिन कोर्ट के फैसले लागू करने में देरी होती है। न्यायपालिका ने कई बार सरकार को केंद्रीय एजेंसी बनाने का सुझाव दिया, ताकि राज्य स्तर पर भ्रष्टाचार रोका जा सके। कोर्ट छात्रों के हित में खड़ा दिखता है,लेकिन सिस्टम की कमजोरी उजागर करता रहता है।

एनजीओ ने भी इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। राइट टू एजुकेशन फोरम और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन जैसे संगठन ने कई पिटीशन दाखिल कीं। 2022 में यूपीटीईटी पीड़ित छात्रों ने एनजीओ की मदद से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रांसपेरेंसी इन एजुकेशन सोसाइटी ने नीट कांड पर रिपोर्ट जारी कर मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो। ये संगठन छात्रों को कानूनी सहायता देते हैं और जागरूकता फैलाते हैं। बिहार में जस्टिस फॉर स्टूडेंट्स एनजीओ ने सॉल्वर गिरोह के खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन किए। एनजीओ ने सरकार पर दबाव डाला कि पेपर लीक रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम अपनाया जाए। इनकी सक्रियता से कई मामलों में तेज कार्रवाई हुई, लेकिन संसाधनों की कमी से प्रभाव सीमित रहता है। फिर भी ये सिविल सोसाइटी की आवाज बनते हैं। बहरहाल,लाख टके का सवाल यही है कि यह सिलसिला कब थमेगा? नीट रद्दीकरण ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों का एक साल बर्बाद हो गया। शिक्षा माफिया को कुचलने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों को आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सुधार पर ध्यान देना चाहिए। न्यायपालिका और एनजीओ की भूमिका सराहनीय है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। अगर अब भी सुधार नहीं हुए,तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। छात्रों की मेहनत व्यर्थ नहीं होनी चाहिए। उम्मीद है कि इस कांड से सबक लिया जाएगा।

# मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

ललित गर्ग
पटपड़गंज दिल्ली

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है,जहां युद्ध,आर्थिक अस्थिरता,ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि,आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना,डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं,बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था,उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया,तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं,बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं,बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में

संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों,मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर,बुद्ध,गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो,क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह,पारिवारिक उत्सव,धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो,तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल,डीजल, परिवहन,उद्योग और महंगाई पर पे ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें,सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी,बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता,बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों,बुनियादी ढांचे के विस्तार,डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्म निर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पे ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं,गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बे ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

## आर्थिक संकट से जूझता देश और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जनता को अनुरोध

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

बदलते समय के साथ देश दुनिया की तस्वीर बदलती नजर आ रही । आज कई देशों में लड़ाई चल रही है । आर्थिक संकट अपना पांव पसारता नजर आ रहा है । लगातार मंडराते आर्थिक संकट की बात जो अब तक पिछले कई सालों से खुल कर नहीं कही जा रही थी । उस बात को देश के प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने भाषण में कहे जाने के बाद से देश भर के लोगों की नींदें उड़ गई है । तथाकथित तथ्यों पर आधारित अभी हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने भाषण में देश की जनता से ये अनुरोध किया की वह वक्त की नजाकत और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए देश की मुद्रा को अधिक गिरने से बचाने के लिए एक साल तक सोना ना खरीदें । तेल, पेट्रोल इत्यादि का कम से कम इस्तेमाल करें। विदेशी यात्राओं पर कुछ समय के लिए रोक लगाए । जिस से देश पर मंडराते आर्थिक संकट को नियंत्रित किया जा सके । देश के प्रतिनिधि होने के नाते उनका जनता से ये अनुरोध करना बिल्कुल गलत नहीं है। क्योंकि देश पर मंडराते किसी भी संकट से निपटने के लिए देश के प्रतिनिधियों और जनता दोनों का दायित्व बनता है। पर बड़ा सवाल ये है कि क्या सरकार द्वारा इस्तमाल किए जाने वाले वाहनों,यात्राओं और खर्च को भी निर्धारित किया जाएगा ? क्या बड़े बड़े उद्योगपतियों और नेताओं के परिवारिक शादियों,समारोह में होने वाले खर्च,रिसोर्सेज, सोने की खरीद को नियंत्रित किया जायेगा?क्या सरकार या अन्य राजनीतिक पार्टियों द्वारा किए जाने वाले प्रचार, रैलियों इत्यादि में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों, समारोह के खर्च पर लगाम लगाई जाएगी ? सरकार सोने के व्यापारियों या अन्य कामकाजी लोगों के नुकसान ,बंद होते रोजगार की पूर्ति कैसे करेगी ? क्या इन समस्याओं को लेकर समाधान पर भी विचार विमर्श होना आवश्यक नहीं ? आम जनता के पास रोजगार नहीं होगा तो वह विचलित और भ्रमित रहेगी जो एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है । देश को संकट की स्थित से उभारने के लिए सरकार और जनता में समजस्व होना आवश्यक है।

# कमरा नंबर 302

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

उस ओयो होटल की गलियाँ किसी भूलभुलैया जैसी थीं,जहाँ रोशनी भी डरी-सहमी सी अंदर आती थी। बाहर बोर्ड पर वेलकम ऐसे लिखा था जैसे कोई कसाई बकरे को पुचकार रहा हो। रिसेप्शन पर बैठा लड़का स्मार्टफ़ोन में डूबा था,उसे दुनिया के किसी भी अनैतिक कृत्य से परहेज नहीं था,बस आधार कार्ड ओरिजनल होना चाहिए। उसने अपनी पत्नी से झूठ बोला था कि ऑफिस की कोई जरूरी मीटिंग है। घर पर वह सीधी-सादी स्त्री उसके लिए घी के परांठे बना रही होगी,यह जानते हुए भी उसके माथे पर शिकन नहीं थी। वह सीढ़ियाँ चढ़ते हुए खुद को अधूरा-सा महसूस कर रहा था,जो अपनी ऊब को मिटाने के लिए एक स्पेस की तलाश में है। कमरा नंबर 302 का दरवाजा खुला और एयर कंडीशनर की घरघराहट ने उसका स्वागत किया। यहाँ की हवा में एक अजीब सी बासी खुशबू थी—सस्ते परफ्यूम और सिगरेट के धुएं का एक ऐसा कॉकटेल,जो केवल उन कमरों में मिलता है जहाँ लोग अक्सर अपनी नैतिकता उतार कर खूंटी पर टांग देते हैं। कमरे का इंटीरियर शानदार होने का ढोंग कर रहा था। लाल रंग के भारी परदे ऐसे लटके थे मानो किसी बड़े रहस्य को ढकने की नाकाम कोशिश कर रहे हों। बेड पर बिछी सफ़ेद चादर अपनी सफेदी से उसे चिढ़ा रही थी। उसने खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देखा। तुम आ गईं? उसने शून्य में पूछा। सामने वाले सोफे पर एक धुंधली सी आकृति उसे नजर आई। वह उसकी वही पुरानी प्रेमिका थी,जिससे उसने शादी के बड़े-बड़े वादे किए थे, शारीरिक संबंध बनाए थे और फिर अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा की

बलि वेदी पर उसे अकेला छोड़ दिया था। उसे लग रहा था कि वह एक साथ दो जीवन जीकर ईश्वर को मात दे रहा है। उसे लगा,कितना महान है उसका यह प्रेम कि वह अपनी पति वाली छवि को दांव पर लगाकर यहाँ आता है। देर कर दी तुमने,सोफे से एक महीन आवाज आई। वह हंसा,दुनिया को धोखा देना आसान है, पर खुद की इच्छाओं को नहीं। मेरी पत्नी को लगता है मैं एक आदर्श पुरुष हूँ। वह बेचारी तो उस गाय की तरह है जिसे खूंटे से बांध दिया गया है। उसे क्या पता कि मेरा असली वजूद यहाँ, इस बदबूदार कमरे की तन्हाई में तुम्हारे साथ खिलता है। उसने व्हिस्की का गिलास भरा।

शादी का वादा करके हर बार तुम मुकर क्यों जाते हो? उसने सवाल किया। वह बर्फ का टुकड़ा व्हिस्की में डालते हुए बोला, शादी समझौता है डार्लिंग और इस तरह मिलने का सुख ही अलग है। समाज को धोखा देना मेरी मजबूरी थी और तुम्हें पाना मेरी जरूरत। देखो, आज भी मैं सब छोड़कर तुम्हारे पास आता हूँ। वह प्रेमिका खिड़की के पास जाकर खड़ी हो गई। उसकी साड़ी का पल्लू हवा में नहीं लहरा रहा था,जबकि पंखा पूरी रफ्तार पर था। पर वह अपनी ही धुन में मगन था।

पर उस धोखे का क्या जो तुमने समाज के सामने मुझे दिया? जब मैंने तुमसे कहा था कि मैं तुम्हारे बिना नहीं रह पाऊंगी,तो तुमने मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया था, उसकी आवाज अब कमरे की दीवारों से टकराकर लौट रही थी। वह झुंझलाया, धोखा क्या होता है? एक सच को दूसरे सच से बदल देना स्मार्टनेस कहलाता है डार्लिंग। मेरी पत्नी को सुख मिल रहा है,तुम्हें मेरा वक्त मिल रहा है, और मुझे यह सुकून। इसमें बुरा क्या है? कमरे की लाइटें अचानक डिम होने लगीं। ओयो होटल की वह चमक-दमक अब डरावनी सी लगने लगी थी। दीवारों पर टंगी पेंटिंग्स मानो उसे घूर रही थीं। उसने महसूस किया कि वह प्रेमिका कुछ ज्यादा ही शांत है। उसने पास जाकर उसका हाथ पकड़ने की कोशिश की, पर हाथ सिर्फ ठंडी हवा को चीरता हुआ निकल गया। तुम इतनी ठंडी क्यों हो?उसने पूछा। वह मुस्कुराई, एक ऐसी मुस्कुराहट जिसमें सातों जन्मों का हिसाब लिखा था।

उसने गौर किया कि कमरे में उसके अलावा किसी और की परछाई नहीं बन रही थी। दीवार पर टंगे कैलेंडर की तारीखें ठहर गई थीं। उसे याद आया, ठीक एक साल पहले इसी तारीख को उसने उस लड़की को आखिरी बार रुलाया था, और उसने उसके नाम का सुसाइड नोट लिखकर जान दे दी थी। अचानक रिसेप्शन वाले लड़के ने दरवाजा खटखटाया, सर,किससे बात कर रहे हैं आप? रूम में तो आप अकेले ही चेक-इन हुए थे। उसके हाथ से गिलास छूट गया। उसने पीछे मुड़कर देखा, सोफा खाली था। वह कांपने लगा। लेकिन वह तो यहीं थी...अभी बात कर रही थी मुझसे... उसने हकलाते हुए कहा। तभी कमरे की छत गायब हो गई और वहाँ अस्पताल की सफेद सीलिंग नजर आने लगी। वह ओयो का कमरा पिघलकर एक अस्पताल के आईसीयू में बदल गया। वह आदमी बेड पर लेटा था,वेंटिलेटर पर। उसके पास उसकी पत्नी बैठी थी, जो साल भर से उसके कोमा से बाहर आने का इंतजार कर रही थी। डॉक्टर ने पास आकर उसकी नब्ज देखी और उसकी पत्नी से कहा,ये शारीरिक रूप से तो यहाँ हैं,पर इनका मस्तिष्क कहीं और कैद है। यह कोमा नहीं,इनकी अपनी किसी ग्लानि का वो जेलखाना है जहाँ ये हर रोज मरते हैं। पत्नी रोने लगी,पर वह आदमी अपनी बंद आँखों के पीछे फिर से उसी गलियारे में चेक-इन कर रहा था, जहाँ प्रेमिका फंदा लिए उसका स्वागत कर रही थी।

## वैचारिक विमर्श,साहित्य की साधना में स्व से सर्व की ओर

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज

साहित्य केवल शब्दों का विन्यास नहीं,बल्कि समाज की चेतना का जीवंत दस्तावेज़ होता है। वर्तमान समय में तकनीकी प्रगति और मीडिया के विस्तार ने रचनाकारों को एक वृहद मंच प्रदान किया है। आए दिन हमारे साथी साहित्यकारों और विदुषी बहनों की उत्कृष्ट रचनाएँ विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की शोभा बढ़ाती हैं। यह निर्विवाद है कि एक रचना को पाठक तक पहुँचाने में संपादक और प्रकाशक की भूमिका वंदनीय है, और उन्हें इसका श्रेय मिलना ही चाहिए। किंतु,इस चमक-धमक के बीच एक बुनियादी प्रश्न आज भी अनुत्तरित है, क्या हम एक रचनाकार के रूप में केवल लिखने तक सीमित हो गए हैं या हम पढ़ने और सीखने के संस्कार को भी जीवित रखे हुए हैं?अक्सर यह देखा जाता है कि रचनाकार अपनी रचना के प्रकाशन,उसके संरक्षण और सोशल मीडिया पर उसके प्रचार-प्रसार में तो पूरी ऊर्जा लगा देता है, परंतु जब बात साथी साहित्यकारों की रचनाओं को पढ़ने की आती है, तो वहाँ एक अजीब सा मौन छा जाता है। हमें यह समझना होगा कि कोई भी साहित्यकार अपने आप में पूर्ण नहीं है। साहित्य एक अविरल बहती सरिता है, जिसमें हर रचनाकार एक बूंद के समान है। जब हम दूसरे की रचना को ध्यान से पढ़ते हैं,तो हम केवल शब्द नहीं पढ़ते, बल्कि उस परिवेश, उस संघर्ष और उस दृष्टिकोण को आत्मसात करते हैं जो शायद हमारे अपने अनुभव जगत से ओझल था।

साहित्यिक जगत में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता,यहाँ केवल सृजन प्रधान है। एक दूसरे का उत्साहवर्धन करना किसी पर उपकार नहीं,बल्कि स्वयं के विकास का मार्ग है। विशेषकर हमारी लेखिका बहनें, जो घर-परिवार और समाज की दोहरी जिम्मेदारियों के बीच उत्कृष्ट साहित्य का सृजन कर रही हैं, उनकी दृष्टि और संवेदनाओं को पढ़ना हमें जीवन के नए आयाम सिखा सकता है। विचारों का आदान-प्रदान ही वह उर्वरक है,जो साहित्य की जड़ों को सींचता है। यदि हम एक-दूसरे के पूरक बन जाएं,तो वैचारिक दरिद्रता स्वतः समाप्त हो जाएगी।अहंकार सृजन का सबसे बड़ा शत्रु है। यह सोचना कि मुझे अब कुछ सीखने की आवश्यकता नहीं है,वैचारिक मृत्यु की ओर पहला कदम है। एक सच्चा रचनाकार वही है जो मरते दम तक विद्यार्थी बना रहे। अपने साथी बंधुओं से सीखना, उनके शिल्प को समझना और उनके भावों का सम्मान करना ही वास्तविक साहित्य साधना है। जब हम एक-दूसरे की रचनाओं पर सार्थक चर्चा करते हैं, तो उससे केवल लेखक का उत्साहवर्धन नहीं होता, बल्कि समाज को एक परिपक्व साहित्य प्राप्त होता है। आज हमें एक सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है,आज समय की पुकार है कि हम अपनी रचनाओं को सहेजने के साथ-साथ दूसरों की अनुभूतियों को भी हृदय में स्थान दें। आइए, हम मैं के घेरे से बाहर निकलकर हम के भाव को अंगीकार करें। साहित्य की सार्थकता प्रशंसा बटोरने में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के विचारों को खाद-पानी देकर एक विशाल वटवृक्ष बनाने में है। जिस दिन हम एक-दूसरे की सफलता में अपनी जीत देखने लगेंगे, उसी दिन साहित्य का उद्देश्य सफल होगा। लेखन की इस पावन यात्रा में हम सब सहयात्री हैं। आइए, एक-दूसरे का संबल बनें, एक-दूसरे के पूरक बनें और सृजन के इस महायज्ञ में अपनी आहुति पूरी विनम्रता के साथ दें।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

# अमन ओझा मौत मामला...आईजी से उच्चस्तरीय जांच की मांग

## आलोक दुबे ने सौंपा ज्ञापन,पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए गंभीर सवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
मिशन चौक स्थित दाबेली टुन-टुन दुकान के संचालक अमन ओझा की संदिग्ध मौत का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता व बीजेपी पार्षद आलोक दुबे ने सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा को विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में अमन ओझा की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई गई है तथा सरगुजा पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि अमन ओझा, जो अम्बिकापुर के मिशन चौक क्षेत्र में दाबेली टुन-टुन नामक दुकान संचालित करता था, उसकी लाश पड़ोसी राज्य झारखंड के गढ़वा जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुई। जिस परिस्थिति में शव मिला है, उससे हत्या की आशंका को बल मिल रहा है। इस घटना ने शहर में चर्चा और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

### मौत से पहले सोशल मीडिया पर जताई थी हत्या की आशंका

ज्ञापन के अनुसार अमन ओझा ने अपनी मौत से तीन-चार दिन पहले सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक वीडियो सार्वजनिक किया था। वीडियो में उसने खुद की जान को खतरा बताते हुए कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। अमन ने वीडियो में कहा था कि उसकी पत्नी और बच्चे को जय स्तंभ चौक क्षेत्र का एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस घटना के बाद से वह मानसिक रूप से बेहद परेशान था। बताया गया कि अमन ओझा ने अप्रैल 2026 में इस संबंध में कोतवाली थाना अम्बिकापुर तथा कलेक्टर जनदर्शन में लिखित शिकायत भी प्रस्तुत की थी। शिकायत में संबंधित युवक का नाम,धमकी देने वाले अन्य लोगों के नाम तथा मोबाइल नंबर तक दर्ज कराए गए थे। इसके बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया है।

### पुलिस पर निष्क्रियता और लापरवाही का आरोप

ज्ञापन में कहा गया है कि मामले की जानकारी कोतवाली थाना, गांधीनगर थाना,साइबर सेल और नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक थी, लेकिन इसके बावजूद न तो महिला और बच्चे की गंभीरता से तलाश की गई और न ही आरोपित युवक को पकड़ने का प्रयास हुआ। आलोक दुबे ने इसे पुलिस विभाग की 'अक्षम्य घोर लापरवाही' बताया है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि समय रहते शिकायत पर उचित कार्रवाई की जाती तो शायद अमन ओझा की जान बच सकती थी। मामले में पुलिस की निष्क्रियता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं,जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

### झारखंड पुलिस के सहयोग से जांच की मांग

आलोक दुबे ने आईजी से मांग की है कि पूरे मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की जाए। साथ ही झारखंड पुलिस के समन्वय से अमन ओझा की मौत के सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि अमन ओझा द्वारा सोशल मीडिया पर जारी वीडियो की साइबर सेल से तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उसे किन परिस्थितियों में धमकियां मिल रही थीं।

### दोषी पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की मांग

ज्ञापन में केवल आरोपित व्यक्तियों ही नहीं, बल्कि लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई है। आलोक दुबे ने कहा कि यदि किसी अधिकारी ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया या जांच में लापरवाही बरती,तो उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। ज्ञापन के साथ अमन ओझा द्वारा सोशल मीडिया पर जारी वीडियो तथा विभिन्न समाचार चैनलों में प्रसारित खबरों से संबंधित पेन ड्राइव भी सौंपी गई है, जिसे जांच के महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

### शहर में बढ़ा आक्रोश

अमन ओझा की मौत को लेकर शहर में लगातार चर्चाएं हो रही हैं। लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि आखिर शिकायत और सार्वजनिक वीडियो के बावजूद पुलिस ने समय रहते संज्ञान क्यों नहीं लिया। अब पूरे मामले में आईजी स्तर पर जांच की मांग के बाद लोगों की नजर पुलिस प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

# प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित भुगतान को लेकर युवा कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लंबित भुगतान एवं कथित अनियमितताओं को लेकर युवा कांग्रेस ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। युवा कांग्रेस के आतीफ रज़ा एवं शुभम जायसवाल ने साथियों के साथ निगम कार्यालय पहुंचकर शीघ्र भुगतान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित कई हितग्राहियों को अब तक भुगतान नहीं मिल पाया है, जिससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास निर्माण में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा कांग्रेस ने मांग की कि लंबित राशि जल्द जारी की जाए तथा सर्वेयरवार हितग्राहियों की सूची सार्वजनिक की जाए। इसके साथ ही दस्तावेजों की गहन जांच कर

अपात्र एवं फर्जी लाभार्थियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। संगठन का कहना है कि योजना में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को समय पर लाभ मिल सके।

**निगम आयुक्त ने जांच व भुगतान का दिया आश्वासन :** नगर निगम आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि लंबित भुगतान जल्द से जल्द जारी किए जाएंगे और संबंधित मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान युवा कांग्रेस नेता आतीफ रज़ा ने कहा कि यदि जल्द ही हितग्राहियों का भुगतान नहीं हुआ तो युवा कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि गरीबों के हक की लड़ाई में संगठन पीछे नहीं हटेगा और जरूरत पड़ने पर सड़क से लेकर निगम कार्यालय तक आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में जीशान अली, प्रिंस विश्वकर्मा, अनिकेत सोनी, भानु प्रताप सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अंबिकापुर की बिजली व्यवस्था सुधारने एक्शन मोड में महापौर

## अंडरग्राउंड लाइन,नए ट्रांसफार्मर और सब-स्टेशन पर हुई चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
शहर में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और लगातार बढ़ती आबादी के बीच भविष्य की जरूरतों को देखते हुए महापौर मंजूषा भगत ने मंगलवार को विद्युत विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अंडरग्राउंड विद्युतीकरण,नए ट्रांसफार्मर लगाने, जर्जर पोल और केबल बदलने सहित नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

### गांधी चौक से महामाया चौक तक अंडरग्राउंड विद्युतीकरण

बैठक में गांधी चौक से महामाया चौक, सदर रोड और देवीगंज रोड तक प्रस्तावित अंडरग्राउंड विद्युतीकरण कार्य की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इन मार्गों से पुराने बिजली खंभे और ट्रांसफार्मर हटाए जाएंगे। महापौर ने निर्देश दिए कि सड़क डामरीकरण कार्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम और बिजली विभाग समन्वय बनाकर काम करें।

### जर्जर पोल और खराब केबल बदलने के निर्देश

महापौर ने मुख्यमंत्री विद्युतीकरण योजना के तहत नई कॉलोनियों और बस्तियों में शीघ्र विद्युतीकरण करने को कहा। साथ ही सड़कों में बाधक और क्षतिग्रस्त पोल हटाने, खराब केबल बदलने तथा लंबे समय से बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए।

### बिजली कटौती कम करने पर जोर

महापौर ने कहा कि शहरवासियों को बार-बार बिजली कटौती की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए मेंटेनेंस कार्य तेजी से किया जाए। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने और असुरक्षित ट्रांसफार्मरों की शिफ्टिंग करने को भी कहा गया।

### पानी सप्लाई प्रभावित न हो,इसके लिए विशेष व्यवस्था

बैठक में तकिया और कतकालो स्थित पानी फिल्टर प्लांटों की बिजली व्यवस्था का मुद्दा भी उठा। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि इन क्षेत्रों में बिजली बंद होने से शहर की पेयजल व्यवस्था प्रभावित होती है, इसलिए यहां निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

### शहर में बनेंगे नए विद्युत उपकेंद्र

शहर के लगातार विस्तार को देखते हुए अतिरिक्त 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके लिए गंगापुर वार्ड, पुराना बस स्टैंड, गहीरागुरु वार्ड (मठपारा) और महामाया पहाड़ (घूटरापारा) क्षेत्र में जमीन उपलब्ध कराने की मांग की गई। वहीं अजीरमा रेलवे स्टेशन के पास बीज भंडार क्षेत्र में भूमि मिलने के बाद वहां जल्द विद्युत उपकेंद्र कार्यालय शुरू करने की जानकारी अधिकारियों ने दी।

# 50 मेधावी बच्चों को मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए मिलेगी निःशुल्क कोचिंग

**कोचिंग हेतु काउन्सलिंग सम्पन्न, 28 मई से शुरू होंगी कक्षाएं**

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री अजीत वंसत के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से NEET/JEE कोचिंग हेतु सरगुजा जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु काउन्सलिंग का आयोजन किया गया है। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं काउन्सलिंग समिति के अध्यक्ष श्री विनय कुमार अग्रवाल ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने छात्र-जीवन से जुड़ी हुई बातें मुख्य रूप से अनुशासन, मोबाइल का न्यूनतम प्रयोग एवं छात्र-छात्राओं की शंकाओं का समाधान करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र होने कहा। जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित कोचिंग संस्थान एलेन रायपुर के शिक्षकों द्वारा कोचिंग एवं अध्ययन प्रक्रिया के सन्दर्भ में विस्तार से अवगत कराया गया।

# जनगणना कार्य में लापरवाही पर व्याख्याता एवं सहायक शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)।
भारत की जनगणना 2027 के कार्यों में तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी लुण्ड्रा के प्रतिवेदन के अनुसार विकासखण्ड लुण्ड्रा के कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता श्री राजपाल देव एवं शासकीय प्राथमिक शाला आमापरा के सहायक शिक्षक श्री सुखदेव राम को जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। व्याख्याता श्री राजपाल देव द्वारा एच एल बी नंबर 186 ससौली के प्रगणक के ऑनलाइन कार्य में लापरवाही बरती गई। वहीं सहायक शिक्षक श्री सुखदेव राम के द्वारा एचएलबी नंबर 0063 के प्रगणक के रूप में कार्य में लापरवाही किये जाने एवं जनगणना सुपरवाईजर के द्वारा प्रतिदिन नशा किए जाने सम्बन्धी जानकारी दी गई।

### उदयपुर विकासखंड को मिली विकास की बड़ी सौगात..

# 'ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता' : राजेश अग्रवाल

**1464 लाख रूपए से अधिक की लागत से चार ग्रामीण सड़क निर्माण परियोजनाओं का भूमिपूजन**

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज अंबिकापुर के उदयपुर विकासखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत चार महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़क निर्माण परियोजनाओं का विधिवत भूमि पूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। लगभग 1464.06 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाली इन सड़कों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम होगा तथा दूरस्थ गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क स्थापित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, क्योंकि सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक विकास का आधार होती है। उन्होंने कहा कि सुदूर ग्रामीण अंचलों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचने से किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों एवं आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी।

**चार महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ :** प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिन परियोजनाओं का भूमिपूजन किया गया, उनमें पीडब्ल्यूडी रोड से शंकरपुर खासपारा मोरनीपारा मार्ग का निर्माण प्रमुख है। लगभग 671.99 लाख रूपए की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराएगी तथा स्थानीय आवागमन को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाएगी। इसी प्रकार देवटीकरा रकेली से देवगढ़ देवटीकरा खासपारा मार्ग का निर्माण 220.95 लाख रूपए की लागत से किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण से रकेली,देवगढ़,देवटीकरा खास पारा सहित आसपास के ग्रामों को बेहतर संपर्क सुविधा प्राप्त होगी। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि इस मार्ग के बनने से ग्रामीण जन जीवन,शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

# वन विभाग की बड़ी कार्रवाई...8 नग साल लट्ठा और पिकअप जब्त,दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 नग साल लट्ठा एवं एक पिकअप वाहन जब्त किया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई बलरामपुर वनमण्डलाधिकारी आलोक वाजपेयी के निर्देशन एवं उप वनमण्डलाधिकारी अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में वनपरिक्षेत्र बलरामपुर द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र बलरामपुर के सर्किल मानिकपुर अंतर्गत मानपुर क्षेत्र में ग्राम बानापती निवासी विष्णु गुप्ता एवं सर्वोत्तम गुप्ता पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 9601 में साल प्रजाति के 8 नग लट्ठा (करीब 1.915 घनमीटर) लोड कर अवैध परिवहन कर रहे थे। वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर वाहन सहित लकड़ी को जब्त कर लिया। मामले में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, धारा 52 एवं छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम 2001 के नियम 22 के तहत कार्रवाई की जा रही है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल किया गया।

# पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई तेंदूपत्ता तोड़ाई श्रमिकों का पांव पखार कर किया सम्मान

-संवाददाता-
राजपुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
वनपरिक्षेत्र अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रह केंद्रों में तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2026 की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाज एवं पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस दौरान संग्रहकर्ताओं का पांव पखार कर उनका सम्मान करते हुए तेंदूपत्ता तोड़ाई कार्य का शुभारंभ किया गया। प्रबंधक सुरेश सोनी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि 11 मई 2026 से तेंदूपत्ता संग्रहन कार्य प्रारंभ हो गया है। फड़ों में पूजा-अर्चना के साथ तेंदूपत्ता संग्रहकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रबंधक सुरेश सोनी, जिला यूनियन अध्यक्ष लालसाय

मिंज एवं फड़ मुंशी साथियों द्वारा संग्रहकर्ताओं का पांव पखार कर उन्हें सम्मान दिया गया। उन्होंने बताया कि वनोपज संग्रहन में तेंदूपत्ता का विशेष महत्व है और पूरे क्षेत्र के ग्रामीण इसे उत्सव की तरह मनाते हुए संग्रहन कार्य में जुटते हैं। जिला यूनियन अध्यक्ष एवं प्रबंधक ने संयुक्त रूप से कहा कि ग्रामीणों का तेंदूपत्ता से गहरा जुड़ाव है।

# एक घंटे में साइबर सेल ने लौटाया जेवर और नगदी से भरा बैग,झारखंड से आए यात्री ने जताया आभार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।
झारखंड से अम्बिकापुर आए एक यात्री का जेवर,नगदी और मोबाइल से भरा बैग बस में छूट गया। सूचना मिलते ही साइबर सेल अम्बिकापुर की टीम ने तत्परता दिखाते हुए महज एक घंटे के भीतर बैग तलाश कर यात्री को सुरक्षित वापस दिला दिया। मिली जानकारी के अनुसार,प्रार्थी श्रवण सिंह निवासी कजरी थाना पड़वा मोड़ जिला पलामू (झारखंड) अपनी पत्नी के साथ गढ़वा रोड से बस द्वारा अम्बिकापुर आ रहे थे।

अम्बिकापुर पहुंचने के बाद वे परिवार सहित बस से उतर गए। कुछ देर बाद उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी का लेडीज हैंड बैग बस में ही छूट गया है। बैग में सोने का मंगलसूत्र चैन, सोने की बालियां, 10 हजार रुपये नगद तथा मोबाइल फोन रखा हुआ था। मामले की सूचना मिलते ही प्रभारी साइबर सेल सहायक उप निरीक्षक अजीत कुमार मिश्रा एवं उनकी टीम सक्रिय हुई।

टीम ने तत्काल बस का पता लगाकर रास्ते में बस रुकवाकर जांच की, जहां यात्री का बैग सुरक्षित हालत में बस में रखा मिला। साइबर सेल अम्बिकापुर के प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान एवं आरक्षक राहुल केरकेट्टा ने बैग में रखे सभी सामानों का सत्यापन कर प्रार्थी को सुपुर्द किया। अपना खोया सामान वापस मिलने पर यात्री और उनके परिवार ने साइबर सेल टीम का आभार जताया।

# एनईआरडब्ल्यूसी वन बाड़ा निर्माण में करोड़ों के कार्य पर उठे सवाल,शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं...

## सोनहत और देवगढ़ रेंज में मानकों की अनदेखी का आरोप,कांग्रेस प्रवक्ता ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

-राजन पाण्डेय-

सोनहत/कोरिया,12 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया वन मंडल अंतर्गत जंगलों की सुरक्षा एवं वन्य क्षेत्र संरक्षण के उद्देश्य से कराए जा रहे एनईआरडब्ल्यूसी वन बाड़ा निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है,निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता अविनाश पाठक द्वारा विभागीय अधिकारियों को शिकायत सौंपे जाने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले को लेकर दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कोरिया वन मंडल के अंतर्गत सोनहत एवं देवगढ़ रेंज में जंगल घेराव कार्य के दौरान निर्धारित मापदंडों और तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया गया,पोल खंभे लगाने के लिए गड्ढों की खुदाई पर्याप्त गहराई तक नहीं कराई गई, जिसके कारण कई स्थानों पर लगाए गए पोल निर्माण के तुरंत बाद ही हिलने लगे हैं। इससे पूरे निर्माण कार्य की मजबूती और गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं, शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्माण कार्य में सीमेन्ट और बालू की मात्रा निर्धारित अनुपात में उपयोग नहीं की जा रही, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि लागत बचाने के उद्देश्य से सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में कमी की गई, जिससे सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका व्यक्त की जा रही है।

### मार्च क्लोजिंग में जल्दबाजी का आरोप-

शिकायतकर्ता अविनाश पाठक का कहना है कि वित्तीय वर्ष की मार्च क्लोजिंग के दबाव में कार्य को जल्दबाजी में पूरा कराया गया। इसी कारण निर्माण एजेंसियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता की अनदेखी की गई,आरोप है कि कई स्थानों पर बिना उचित बेस तैयार किए ही पोल खड़े कर तार बांध दिए गए,जिससे थोड़े समय में ही निर्माण कमजोर दिखाई देने लगा है।

**स्थानीय लोगों ने भी उठाए सवाल-** ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वन संरक्षण के नाम पर सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि निर्माण कार्य टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण नहीं होगा तो योजना का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। लोगों ने आरोप लगाया कि कार्यस्थलों पर तकनीकी निरीक्षण भी सही तरीके से नहीं किया गया और अधिकांश काम केवल कागजी खानापूर्ति बनकर रह गया।

### शिकायत के बाद भी विभाग मौन

सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायत किए जाने के बाद भी अब तक विभागीय स्तर पर न तो किसी जांच टीम का गठन सार्वजनिक रूप से सामने आया है और न ही संबंधित अधिकारियों या निर्माण एजेंसियों पर कोई कार्रवाई हुई है,मामले में विभाग की चुप्पी से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

### भ्रष्टाचार की आशंका से बढ़ी चर्चा

वन विभाग के इस निर्माण कार्य में सामने आए आरोपों के बाद अब क्षेत्र में भ्रष्टाचार और गुणवत्ता विहीन निर्माण को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं, लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो शासन की महत्वपूर्ण वन संरक्षण योजनाओं की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ सकता है, अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में जांच कर कार्रवाई करता है या शिकायत केवल कागजों तक सीमित रह जाती है।

# अज्ञात वाहन की टक्कर से किशोर समेत 2 की मौत....

## शादी कार्यक्रम से लौट रहे थे दोनों,एनएच-43 पर हुआ हादसा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)। अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग एनएच-43 स्थित लमगांव के खालपारा के पास दो दिन पूर्व रात को अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में किशोर व युवक की मौत हो गई। दोनों एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर वापस लौट रहे थे। वहीं दूसरी घटना नेशनल हाइवे-130 अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर 40 फीट खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह रायपुर से यूपी जा रहा था। जानकारी के अनुसार ग्राम सिलसिला थाना लुण्ड्रा निवासी विकास टोप्पो उम्र 17 वर्ष दो दिन पूर्व गांव के ही विकेश एक्का के साथ बाइक से शादी कार्यक्रम में शामिल होने लमगांव गया था। शादी में शामिल होने के बाद दोनों रात करीब 9 बजे घर जा रहे थे।

रास्ते में लमगांव स्थित खालपारा के पास नेशनल हाइवे-43 पर तेज रफ्तार अज्ञाता वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसी रास्ते से गुजर रहे एक व्यक्ति ने दोनों को पहचान लिया और घटना की जानकारी उनके परिजन को दी। दोनों घायलों को इलाज के लिए रघुनाथपुर अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने विकेश को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से जख्मी विकास को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी डॉक्टर ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया, लेकिन परिजन रायपुर ले जाने के बजाए उसे मिशन अस्पताल ले गए। यहां कुछ देर इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई।

### 40 फीट खाई में गिरी कार

दूसरी घटना मंगलवार की सुबह अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग स्थित एनएच 130 कुंवरपुर बांध के पास की है। तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर 40 फीट खाई में जा गिरी। खाई में जाने के बाद कार पलट गई और चालक वाहन में फंस गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे किसी तरह बाहर निकला गया और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार चालक उत्तरप्रदेश भदोही निवासी अभिषेक पांडेय रायपुर से यूपी जा रहा था।

# ग्राहकों से दुर्व्यवहार का आरोप कल्याण पेट्रोलियम फिर विवादों में

## भाजपा नेता ने एसडीएम से की शिकायत,पेट्रोल पंप की जांच की मांग

-संवाददाता-

सूरजपुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)। भैयाथान ब्लॉक मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत खाड़ापारा स्थित कल्याण पेट्रोलियम एक बार फिर विवादों में घिर गया है,पेट्रोल पंप में कार्यरत एक महिला कर्मचारी पर ग्राहकों से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। मामले की शिकायत एसडीएम भैयाथान से की गई है। भाजपा नेता रक्षेन्द्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 मई की सुबह वे अपनी एक्सकैवेटर मशीन में डीजल भरवाने पेट्रोल पंप पहुंचे थे, इस दौरान महिला कर्मचारी ने उनसे पूछा कि कितने रुपये का डीजल भरना है। इस पर उन्होंने 5 हजार रुपये का डीजल भरने की बात कही, आरोप है कि महिला कर्मचारी ने जवाब में कहा कि' 5 हजार लीटर सेट करूं?' जिस पर रक्षेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मशीन की टंकी इतनी बड़ी नहीं होती, इसके बाद महिला कर्मचारी ने डीजल उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर डीजल देने से मना कर दिया, भाजपा नेता का आरोप है कि उनके मना करने के बाद भी पेट्रोल पंप में अन्य वाहनों को लगातार डीजल दिया जाता रहा,इसे लेकर उन्होंने एसडीएम भैयाथान को शिकायत सौंपते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है, शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पेट्रोल पंप पर ग्राहकों के लिए आवश्यक सुविधाएं जैसे शुद्ध पेयजल,हवा और शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है, साथ ही कर्मचारियों का व्यवहार भी उपभोक्ताओं के प्रति उचित नहीं बताया गया है, अब इस शिकायत के बाद प्रशासनिक कार्रवाई और जांच को लेकर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

### पीजी कॉलेज अंबिकापुर में जनभागीदारी समिति का अभिनंदन समारोह आयोजित

# महाविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाने का लक्ष्य : मनोज गुप्ता

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नवगठित जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का प्रथम परिचयात्मक बैठक और अभिनंदन समारोह मंगलवार को महाविद्यालय ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने

अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्ष 1960 में स्थापित यह महाविद्यालय सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा एवं एकमात्र स्वशासी महाविद्यालय है, जहां करीब 6 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती छात्र संख्या को देखते हुए आधारभूत सुविधाओं और शैक्षणिक संसाधनों के विस्तार की आवश्यकता है। जनभागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि लंबे समय से समिति का गठन नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। अब सभी सदस्यों के सहयोग से महाविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाना उनका लक्ष्य है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि यह महाविद्यालय अंबिकापुर शहर की पहचान और गौरव है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर कई लोगों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने महाविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में नगर निगम पार्षद मनीष सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। समारोह में जनभागीदारी समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एस.एन. पाण्डेय ने किया।

## मातृ दिवस पर 40 माताओं को साड़ी,मिठाई का वितरित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)। अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर खट्टी मीठी किटी ग्रुप अंबिकापुर द्वारा ग्राम पंचायत घघरी में मातृ सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की माताओं और बच्चों का सम्मान कर उन्हें साड़ी, मिठाई एवं बिस्किट वितरित किए गए। कार्यक्रम में लगभग 40 माताओं एवं बच्चों को सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, मातृ सम्मान और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया गया। आयोजन में ग्रामीण महिलाओं, बच्चों सहित 80 से 90 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत एवं गोल्डन सिंह का आर्थिक सहयोग रहा। खट्टी मीठी किटी ग्रुप की सदस्य अंजू सरकार,सुधा मंडल,शर्मिला बैरागी,अंजू गोलदार, सुमनदास गुप्ता,सुभद्रा हालदार,कीर्ति एवं चंदा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। ग्रामीणों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक रूप से प्रेरणादायक पहल बताया।

# माँ के मुआवजे के पैसों को लेकर विवाद,बेटे ने लोढ़ा मारकर की हत्या

### लटोरी पुलिस ने आरोपी पुत्र को 48 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,12 मई 2026 (घटती-घटना)। लटोरी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने मामूली विवाद और मुआवजे की रकम को लेकर अपनी ही माँ की हत्या कर दी,चौकी लटोरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,ग्राम गजाधरपुर (दर्रीपारा) निवासी श्रीमती फलेन बाई चेरवा (50 वर्ष) को उनके पुत्र डिगम्बर प्रसाद चेरवा ने मसाला पीसने वाले पत्थर (लोढ़ा) से सिर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था, परिजन उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर ले गए,जहां इलाज के दौरान 10 मई 2026 की शाम उनकी मौत हो गई,मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस सहायता केंद्र मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर से मर्ग डायरी प्राप्त हुई। इसके बाद चौकी लटोरी में अपराध क्रमांक 126/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई, मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश

देवांगन तथा एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए गए,पूछताछ में आरोपी डिगम्बर प्रसाद चेरवा (34 वर्ष) ने बताया कि उसके पिता की पिछले वर्ष कुएं में गिरने से मौत हो गई थी, पिता की मौत के बाद मिलने वाली मुआवजा राशि को लेकर वह अपनी माँ से नाराज रहता था, आरोपी का कहना था कि मुआवजे में उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए, लेकिन मृतिका ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था,घटना वाले दिन आरोपी ने अपनी माँ से खाना मांगा, जिस पर माँ ने खुद निकालकर खाने की बात कही,इसी दौरान पुरानी रंजिश और पैसों के विवाद को लेकर आरोपी गुस्से में आ गया और घर में रखे लोढ़ा से सिर पर हमला कर दिया।

न्यायालय तहसीलदार सोनहत
जिला-कोरिया (छ0ग0

रा0प्र0क्र0/..../ब-121/2022-23
ग्राम - कछार

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका राज कुमार आ0 समय लाल जाति- निवासी ग्राम कछार के द्वारा ग्राम..................में अपने माता स्व. करमाती जिसका मृत्यु / जन्म दिनांक 15/08/1985 हुआ है, जिसका मृत्यु पंजीयन शासकीय/ अर्द्धशासकीय ग्राम पंचायत में नहीं कराये जाने के कारण आवेदन पत्र मय पंचनामा अनुलब्धता प्रमाण-पत्र एवं वैध दस्तावेज के साथ इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त उक्त जन्म / मृत्यु के पंजीयन प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / पक्षकार को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो देनांक 24/04/2026 तक स्वयं अथवा अपने मान्य किसी अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि में आपत्ति प्रस्तुत न करने पर किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अतः आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पपमुद्रा से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
सोनहत जिला-कोरिया,छ.ग.

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,नवा रायपुर,अटल नगर ( केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

| स. क्र. | सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में) |
|---|---|---|---|
| | 190295 प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला धमतरी के उपसंभाग नगरी अंतर्गत राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई मार्ग (राज्यमार्ग क्र. 23 ) के कि.मी. 92/8 (बायपास) में मध्यम पुल के निर्माण कार्य । | 249.97 |
| 2 | 190296-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला महासमुंद के कोकडी से चकददा मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य । | 262.21 |
| 3 | 190299-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला धमतरी के उपसंभाग नगरी अंतर्गत नगर पंचायत नगरी (पुरानी बस्ती) से मोदे मार्ग पर महानदी में मध्यम पुल निर्माण कार्य । | 328.18 |
| 4 | 190300-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला सुकमा विकासखण्ड कोन्टा के ग्राम नुलकातोंग में 100 सीटर छात्रावास भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित । | 238.02 |
| 5 | 190301-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला सुकमा विकासखण्ड कोन्टा के ग्राम उरसंगाल में 100 सीटर छात्रावास भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित जमा मद । | 238.02 |
| 6 | 190302-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | सरगांव पथरिया मार्ग के कि.मी.1/2 से 5/10,7/2 से 7/10,11/2 से 12/10 एवं 14/2 से 14/10 = 9.00 कि.मी. 7 मजबूतीकरण का निर्माण कार्य । | 578.30 |
| 7 | 190303-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | छुहीपाली से कटेकोनी बडे कर्राखई ठाकुरपाली से सेमराडीह तक मार्ग लंबाई 12.00 कि.मी. चौडीकरण एवं नवीनीकरण का निर्माण कार्य । | 1412.63 |
| 8 | 190304-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | देवरघटा बरतुंगा तुलसीडीह अंडा चरौदा स्कूल होते हुए लिमगांव 7 अडभार दरीमुडा तौलीपाली झर्रा होते हुए सपिया नहरपार जीरो पाईंट तक मार्ग लंबाई 21.83 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 2399.14 |
| 9 | 190305-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | अण्डी किरकार जगमहन से सातबहीनिया तक मार्ग लंबाई 5.30 कि.मी. का निर्माण कार्य । | 762.48 |
| 10 | 190306-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | 7 जिला धमतरी के राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई मार्ग (राज्यमार्ग क्र. 23 ) पहुंच मार्ग के निर्माण कि.मी. 143/2 से 154/10 = 11.94 कि.मी. में मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण कार्य । | 668.28 |
| 11 | 190297-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला रायपुर के सरोरा से बिनायक (बिनैका) मार्ग लंबाई 4.30 कि. मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य । विधानसभा संभाग रायपुर । | 994.37 |
| 12 | 190317-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के रामानुजगंज वाड्रफनगर मार्ग के कि.मी. 6 से 21,28 से 54/6 = 43.60 कि.मी. का मजबूतीकरण एवं उन्नयन निर्माण कार्य । | 2050.14 |
| 13 | 190326-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | जिला कोरबा के सर्वमंगला मंदिर तरदा-भिलाई खुर्द मार्ग में हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । | 5109.80 |
| 14 | 190331-प्रथम आमंत्रण 05.05.2026 | केन्द्रीय सडक निधि योजनांतर्गत जिला गरियाबंद के उपसंभाग राजिम अंतर्गत राजिम फिंगेश्वर महासमुंद मार्ग (मुख्य जिला मार्ग) के कि.मी. 1/2 से 36/6 = 35.50 कि.मी. का उन्नयन कार्य, पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य । | 12825.42 |
| 15 | 190346-प्रथम आमंत्रण 06.05.2026 | जिला बेमेतरा के देवकर साजा खम्हरिया (मुख्य जिला मार्ग - 414) मार्ग लंबाई 30.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित मजबूतीकरण 7 निर्माण कार्य । | 3022.88 |
| 16 | 190348-प्रथम आमंत्रण 06.05.2026 | जिला सूरजपुर के जमदेई से पोतका मार्ग पर रेहण्ड नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । | 592.54 |
| 17 | 190352-प्रथम आमंत्रण 06.05.2026 | जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के कपिलदेवपुर से बसेरा मार्ग पर मोरन नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । | 578.81 |
| 18 | 190356-प्रथम आमंत्रण 06.05.2026 | जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के वाड्रफनगर से मेंढारी मार्ग पर इरीया नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । | 477.90 |

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 01 से सं.क. 18 दिनांक 28.05.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी नंबर-262700626/6

# कोरिया का 'गुप्त दरबार' और प्रभारी अधीक्षकों की रहस्यमयी पदस्थापना

गुपचुप आदेश, फुसफुसाहट में पदस्थापना और वायरल न करने की हिदायत

आदेश ऐसे बांटे गए मानो सरकारी नियुक्ति नहीं, कोई अंडरग्राउंड मिशन चल रहा हो!

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया, 12 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले का सहायक आयुक्त कार्यालय एक बार फिर चर्चाओं के केंद्र में है, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा किसी विकास योजना, छात्र हित या शिक्षा सुधार को लेकर नहीं,बल्कि गुपचुप पदस्थापना महाअभियान को लेकर हो रही है, जिले के आश्रम-छात्रावासों में प्रभारी अधीक्षकों की नियुक्ति ऐसी गोपनीयता के साथ की गई कि मानो कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि किसी फिल्म की सीक्रेट एजेंसी ऑपरेशन चल रहा हो।

सूत्र बताते हैं कि आदेश इतने संवेदनशील थे कि उन्हें खुलेआम जारी करने की बजाय चुनिंदा लोगों तक फुसफुसाकर पहुंचाया गया, जिन शिक्षकों को प्रभारी अधीक्षक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, उन्हें आदेश के साथ एक अनौपचारिक सलाह भी दी गई भाई साहब,इसे ज्यादा वायरल मत करिएगा,अब सवाल यह उठता है कि यदि सबकुछ नियमों के तहत हुआ, तो फिर यह डर किस बात का था? आखिर सरकारी आदेश को सोशल मीडिया से इतना भय क्यों?

शासन का नियम एक तरफ, व्यवस्था दूसरी तरफ-शासन का साफ निर्देश है कि आश्रम-छात्रावासों में निकटस्थ स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को प्रभारी बनाया जाए, ताकि छात्रावास संचालन में सुविधा बनी रहे, लेकिन कोरिया जिले में शायद नियम किताबों तक सीमित रह गए और व्यवस्था जमीन पर उतर आई,बताया जा रहा है कि कई ऐसे शिक्षकों को प्रभारी बना दिया गया जो संबंधित छात्रावास से काफी दूर पदस्थ हैं,वहीं कई स्थानीय शिक्षक, जो वर्षों से इस उम्मीद में बैठे थे कि कभी उन्हें भी मौका मिलेगा, पूरी प्रक्रिया की भनक तक नहीं लगने दी गई, उन्हें तब जानकारी मिली जब भाग्यशाली शिक्षक आदेश लेकर कार्यभार संभालने निकल पड़े, अब जिले में यह चर्चा आम है कि यहां दूरी किलोमीटर से नहीं, संपर्क और सहमति से मापी गई, जो जितना समझदार निकला, उसका रास्ता उतना ही आसान होता चला गया।

## आदेश कम,खुफिया दस्तावेज ज्यादा लगे

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प बात रही आदेश वितरण की शैली, सामान्यतः सरकारी आदेश कार्यालय की वेबसाइट,सूचना पटल या विभागीय समूहों में सार्वजनिक होते हैं,लेकिन यहां मामला बिल्कुल अलग दिखाई दिया,आदेश ऐसे बांटे गए मानो कोई परीक्षा का पेपर लीक होने से बचाया जा रहा हो,सूत्रों की मानें तो कई शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर आदेश थमाए गए,कुछ को मोबाइल पर जानकारी दी गई,तो कुछ को यह समझाया गया कि ज्यादा चर्चा ठीक नहीं, अब सवाल यह है कि यदि प्रक्रिया पारदर्शी थी तो इतनी गोपनीयता की जरूरत आखिर क्यों पड़ी?

## प्रभारी बनने का नया गणित

जिले में अब यह चर्चा भी जोरों पर है कि प्रभारी अधीक्षक बनने के लिए अनुभव,योग्यता या नजदीकी स्कूल में पदस्थापना से ज्यादा जरूरी व्यवहारिक समझ थी, सूत्र दावा कर रहे हैं कि कई पदस्थापनाओं के पीछे भारी लेनदेन हुआ है,कहा जा रहा है कि एक-एक प्रभार के लिए लाखों रुपये तक की वसूली हुई, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन जिस तरीके से पूरी प्रक्रिया को पर्दे के पीछे अंजाम दिया गया,उसने सवालों को और मजबूत कर दिया है,जिले में लोग अब मजाक में कहने लगे हैं कि छात्रावास प्रभारी बनने के लिए अब आवेदन नहीं, व्यवस्था चाहिए।

## शिक्षा विभाग भी बना दर्शक?

सबसे हैरानी की बात यह है कि पूरी प्रक्रिया में शिक्षा विभाग को भी कथित रूप से विश्वास में नहीं लिया गया,जबकि शिक्षकों से जुड़ी पदस्थापनाओं में विभागीय समन्वय आवश्यक माना जाता है। लेकिन यहां ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा मामला विशेष अधिकार क्षेत्र में संचालित किया गया हो, कई शिक्षक अब खुलकर सवाल उठा रहे हैं कि यदि प्रक्रिया सार्वजनिक होती तो वे भी अपनी दावेदारी पेश कर सकते थे, कुछ शिक्षकों का कहना है कि उन्हें बाद में पता चला कि पदस्थापनाएं हो चुकी हैं और सूची लगभग फाइनल भी हो गई।

## पुराने किस्से फिर ताजा

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब सहायक आयुक्त कार्यालय सुर्खियों में आया हो, पिछले वर्ष छात्रावास अधीक्षकों के प्रमोशन के दौरान भी जमकर विवाद हुआ था,उस समय भी लेनदेन और मनमानी के आरोप लगे थे,मामला इतना बढ़ गया था कि दोबारा काउंसलिंग कराने तक की नौबत आ गई थी, अब उसी कहानी का नया अध्याय सामने आया है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार प्रमोशन की जगह प्रभार ने ले ली है, जिले में लोग तंज कस रहे हैं कि यहां हर साल कोई न कोई शैक्षणिक सीजन आता है कभी प्रमोशन सीजन,कभी पदस्थापना सीजन।

## वर्षों से वही चेहरे,वही व्यवस्था

जिले के छात्रावासों में वर्षों से कुछ चुनिंदा लोगों का ही दबदबा बना हुआ है,आरोप है कि पुराने प्रभारियों को ही अंदरखाने फिर से जिम्मेदारी दे दी गई,इससे उन शिक्षकों में नाराजगी है जो लंबे समय से मौका मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे,कई शिक्षकों का कहना है कि यदि चयन प्रक्रिया खुली और निष्पक्ष होती तो योग्य और इच्छुक लोग सामने आते, लेकिन यहां तो पूरी प्रक्रिया इतनी सीक्रेट रही कि अधिकांश लोग दर्शक बनकर रह गए।

## खरीदी में भी उठते रहे सवाल

सहायक आयुक्त कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल सिर्फ पदस्थापना तक सीमित नहीं हैं, छात्रावासों के लिए खरीदी जाने वाली सामग्रियों को लेकर भी लंबे समय से शिकायतें उठती रही हैं,पंखे,गद्दे,कंबल,चूल्हा और बर्तन जैसी सामग्रियों की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं,सूत्रों के अनुसार कई सामग्रियां ऐसी खरीदी जाती हैं जिन पर कंपनी का नाम तक नहीं होता, वार्षिक गारंटी का तो सवाल ही नहीं, हालत यह रहती है कि सामान सालभर के भीतर ही जवाब दे देता है, अब लोग व्यंग्य में कहते हैं कि सामान ऐसा खरीदा जाता है ताकि अगले साल फिर खरीदने का मौका बना रहे।

## सवाल बहुत हैं,जवाब कम

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि सबकुछ नियमों के तहत हुआ तो आदेश छिपाने की जरूरत क्यों पड़ी? आखिर किन परिस्थितियों में कुछ शिक्षकों को प्राथमिकता मिली और बाकी को जानकारी तक नहीं दी गई? क्या शासन के निर्देशों का पालन हुआ या फिर व्यवस्था ने नियमों को पीछे छोड़ दिया? जिले में अब यह मांग उठने लगी है कि पूरी पदस्थापना प्रक्रिया सार्वजनिक की जाए, यह स्पष्ट किया जाए कि किन मानकों के आधार पर प्रभारी अधीक्षकों का चयन हुआ और क्यों कई दूरस्थ शिक्षकों को जिम्मेदारी दी गई। साथ ही लेनदेन के आरोपों की निष्पक्ष जांच भी कराई जाए।

## गोपनीय प्रशासन की नई मिसाल?

कोरिया जिले का सहायक आयुक्त कार्यालय अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है,सरकारी कार्यालयों में सामान्यतः पारदर्शिता और जवाबदेही की उम्मीद की जाती है, लेकिन यहां जो तस्वीर सामने आ रही है वह बिल्कुल अलग है,आदेशों की गोपनीयता, चयन प्रक्रिया पर सवाल, लेनदेन के आरोप और विभागीय समन्वय की कमी—इन सबने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है,अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन सवालों पर क्या रुख अपनाता है, क्योंकि फिलहाल जिले में यही चर्चा है कि कोरिया का यह गुप्त दरबार केवल पदस्थापना नहीं कर रहा,बल्कि सरकारी प्रक्रियाओं को रहस्य और फुसफुसाहट के नए मॉडल में बदल रहा है।

## नवीन जिम्मेदारी उन्हें ही जो हैं पहले के पहुंचे फकीर

सूत्रों की माने तो नवीन जिम्मेदारी उन्हें ही दी गई है जो पहले के पहुंचे फकीर हैं,ऐसा इसलिए भी किया गया है क्योंकि उन्हें विभाग का हर झोलझाल मालूम है और वह विभाग के लिए विश्वासपात्र माने जाते हैं,वह गोपनीयता बरकरार रखने वाले माने जाते हैं,ऐसे लोग लेनदेन में भी तत्काल तैयार रहते हैं,ज्यादातर ऐसे ही लोगों की पदस्थापना की गई है।

## कार्यालय के कई मामलों की यदि जांच हो जाए,खुल जाएंगे कई बड़े भ्रष्टाचार के राज

सूत्र सूत्रों का कहना है कि यदि कार्यालय के कई मामलों की जांच की जाए तो कई बड़े भ्रष्टाचार के राज खुल जाएंगे,कार्यालय में खरीदी मामले में बड़ा भ्रष्टाचार लगातार होता है,ऐसा बताया जाता है कि यह ऐसा भ्रष्टाचार है जिसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता है।

## कुछ अधीक्षक ही अब खोल रहे हैं पोल,जिन्हें मिली पुनः जिम्मेदारी वह हैं मौन

हाल ही में प्रभारी अधीक्षकों की नियुक्ति को लेकर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया है ऐसी बातें सामने आ रही हैं,यह बातें वह अधीक्षक कर रहे हैं जो जुगाड़ लगा पाने में अपने लिए असफल रहे,अधीक्षकों के आरोपों की सच्चाई की तो पुष्टि हम नहीं करते लेकिन यदि यह सच है तो यह उन आदिवासी बच्चों के हित मामले में बड़ा खेल है जिनके लिए शासन ने छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराई है,वैसे अधीक्षकों के ठाठ बाट को लेकर कई बार यह बातें सामने आती रही है कि यह ठाठ बाट छात्र सुविधाओं में से कटौती करके आई है,लेकिन इसकी पुष्टि और जांच नहीं हुई है।

# कोरिया में केमिस्ट शक्ति प्रदर्शन, प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा का आतिशबाजी और फूलमालाओं से भव्य स्वागत

### अब मनेंद्रगढ़ भी लौटेगा मुख्यधारा में राकेश शर्मा बोले...संगठन को फिर मजबूत बनाने निकला हूं...

### ऑनलाइन दवा व्यापार के खिलाफ केमिस्टों की हुंकार,20 तारीख को प्रदेश व्यापी बंद का ऐलान,व्यापारियों से सहयोग की अपील

### नशा मुक्त समाज के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति,बिना पर्ची प्रतिबंधित दवा बेचने वालों को प्रदेश अध्यक्ष की दो टूक चेतावनी

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर/कोरिया, 12 मई 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा का प्रथम कोरिया आगमन बेहद भव्य और उत्साहपूर्ण रहा। जिले के दवा विक्रेताओं और व्यापारियों ने आतिशबाजी, फूलमालाओं और जोरदार स्वागत के साथ अपने नए नेतृत्व का अभिनंदन किया, कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती, ऑनलाइन दवा व्यापार के विरोध, नशा मुक्त समाज और केमिस्ट परिवारों के हितों को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा ने अपने दौरे की शुरुआत प्रेमाबाग मंदिर में दर्शन-पूजन से की,इसके बाद दवा विक्रेताओं के साथ सौजन्य मुलाकात और एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, बैठक में उन्होंने अपनी जीत का श्रेय अंबिकापुर और बिलासपुर संभाग के दवा व्यापारियों के विश्वास और समर्थन को दिया।

## संगठन विस्तार पर बड़ा ऐलान

राकेश शर्मा ने स्पष्ट कहा कि उनका उद्देश्य केवल पद संभालना नहीं बल्कि संगठन को मजबूत और एकजुट बनाना है,उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि जो जिले किसी कारणवश संगठन की मुख्यधारा से अलग हो गए थे, उन्हें दोबारा जोड़ा जाएगा, इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ जिले को भी जल्द ही संगठन की मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा, उन्होंने कोरिया जिले के दवा व्यापारियों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि आगामी चुनावों में जिले के वोटिंग राइट्स 10 से बढ़ाकर 25 किए जाएंगे, ताकि जिले की भागीदारी और प्रतिनिधित्व मजबूत हो सके।

## ऑनलाइन दवा व्यापार के खिलाफ बड़ा आंदोलन

प्रदेश अध्यक्ष ने ऑनलाइन दवा व्यापार को मेडिकल व्यवसाय के लिए बड़ा खतरा बताते हुए उसके खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया,उन्होंने घोषणा की कि 20 तारीख को पूरे प्रदेश में ऑनलाइन दवा विक्रय के विरोध में प्रदेश व्यापी बंद रखा जाएगा, उन्होंने सभी दवा व्यापारियों से इस बंद को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल व्यापार की नहीं बल्कि मरीजों की सुरक्षा और व्यवस्थित दवा व्यवस्था की भी है।

## नशा मुक्त समाज के लिए सख्त संदेश

बैठक के दौरान राकेश शर्मा ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में मेडिकल व्यापारियों की जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया,उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक बिना वैध चिकित्सकीय पर्ची के प्रतिबंधित दवाइयों का विक्रय न करे, उन्होंने कहा कि शासन के नियमों और मापदंडों का सख्ती से पालन किया जाए तथा प्रशासन को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए।

## केमिस्ट परिवारों के लिए नई सुविधाएं

प्रदेश अध्यक्ष ने केमिस्ट परिवारों के हित में दो महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं, उन्होंने बताया कि रायपुर स्थित केमिस्ट भवन का जीर्णोद्धार पूरा हो चुका है और अब प्रदेश का कोई भी केमिस्ट रायपुर जाने पर वहां निःशुल्क ठहर सकेगा, इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी कि संघ की अनुशंसा पर एमएमआई अस्पताल में केमिस्ट परिवारों को इलाज के दौरान विशेष डिस्काउंट सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी, कार्यक्रम में जिले के बड़ी संख्या में दवा विक्रेता, संघ पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने प्रदेश नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

# रनई में लगा सरगुजा महराज का दरबार

**प्रदेश अध्यक्ष की तैयारी या कोरिया कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने की कवायद?**

**रनई में सजा सरगुजा महराज का दरबार,कोरिया कांग्रेस की राजनीति में हलचल तेज**

**चाय पर चर्चा या शक्ति प्रदर्शन? रनई में टीएस सिंहदेव के दरबार ने बढ़ाई सियासी गर्मी**

**गुटबाजी खत्म करने निकले सरगुजा महराज? रनई में कांग्रेसियों की बड़ी बैठक से उठे सवाल**

**रनई में राजनीतिक दरबार, टीएस सिंहदेव के दौरे से कांग्रेस खेमों में बढ़ी हलचल**

**प्रदेश कांग्रेस की कमान की तैयारी? कार्यकर्ताओं के बीच सक्रिय हुए टीएस सिंहदेव**

**टीएस सिंहदेव का कोरिया दौरा बना चर्चा का विषय, प्रदेश अध्यक्ष की तैयारी या संगठन साधने की कवायद?**

-संवाददाता-
कोरिया,12 मई 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के रनई गांव में सोमवार की शाम राजनीतिक हलचल कुछ अलग ही नजर आई, गांव के जमींदार परिवार के घर अचानक ऐसा माहौल बना मानो किसी राजदरबार की बैठक चल रही हो,कांग्रेस के बड़े नेता,पुराने कार्यकर्ता, जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक और दोनों जिलों–कोरिया व एमसीबी–के कांग्रेसी नेता एक जगह जुटे थे,वजह बने छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व उप मुख्यमंत्री और सरगुजा के कद्दावर कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव, अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर यह दरबार सिर्फ चाय पर चर्चा थी या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा था?

### बिना आधिकारिक घोषणा के बढ़ी राजनीतिक चर्चा

दिलचस्प बात यह रही कि इस पूरे कार्यक्रम को लेकर किसी भी स्तर पर कोई स्पष्ट आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई,न इसे संगठनात्मक बैठक कहा गया,न कार्यकर्ता सम्मेलन और न ही राजनीतिक रणनीति बैठक,लेकिन कार्यक्रम में जिस तरह कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी,उसने कई सवाल खड़े कर दिए,राजनीतिक गलियारों में अब दो तरह की चर्चाएं सबसे ज्यादा चल रही हैं,पहला–क्या टीएस सिंहदेव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ का अध्यक्ष बनने की तैयारी में हैं और इसी कड़ी में वे जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोल रहे हैं? दूसरा–क्या यह दौरा कोरिया जिले में वर्षों से चली आ रही कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने का प्रयास था?

### दो दिन पहले से शुरू हो गई थी तैयारी

रनई गांव का माहौल दो दिन पहले से ही राजनीतिक रंग में रंग चुका था,सोशल मीडिया पर लगातार संदेश प्रसारित हो रहे थे। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को सूचना दी जा रही थी, प्रिंट मीडिया में भी टीएस सिंहदेव के आगमन की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित हो रही थीं, इससे साफ था कि कार्यक्रम भले अनौपचारिक बताया जा रहा हो,लेकिन इसकी तैयारी किसी बड़े राजनीतिक आयोजन जैसी थी, सोमवार शाम जैसे ही टीएस सिंहदेव रनई पहुंचे, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जमावड़ा और उत्साह दोनों देखने लायक था। कार्यक्रम में कोरिया एवं एमसीबी जिले के कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे। बैकुण्ठपुर की पूर्व विधायक की मौजूदगी ने भी राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी।

### जमींदार परिवार से पुराने संबंधों की चर्चा

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी खूब रही कि रनई गांव के जमींदार परिवार से टीएस सिंहदेव के पुराने और आत्मीय संबंध हैं, यही वजह रही कि उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए रनई गांव को चुना, लेकिन राजनीति में कोई भी मुलाकात सिर्फ संबंध तक सीमित नहीं मानी जाती, खासकर तब जब चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियां धीरे-धीरे गति पकड़ रही हों, अब लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या यह सिर्फ आत्मीय मुलाकात थी या फिर इसके पीछे भविष्य की राजनीतिक रणनीति छिपी थी?

### प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में सिंहदेव?

प्रदेश कांग्रेस में लंबे समय से संगठनात्मक बदलाव की चर्चाएं चल रही हैं, ऐसे में टीएस सिंहदेव का लगातार कार्यकर्ताओं से संपर्क बढ़ाना राजनीतिक संकेत माना जा रहा है, कांग्रेस के भीतर भी यह चर्चा जोरों पर है कि यदि संगठन में बड़ा बदलाव होता है तो सिंहदेव एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ सकते हैं, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरगुजा क्षेत्र में टीएस सिंहदेव की पकड़ मजबूत रही है और वे कार्यकर्ताओं के बीच सौम्य एवं सहज नेता की छवि रखते हैं, ऐसे में जिलों में जाकर दरबार शैली में संवाद करना महज सामान्य कार्यक्रम नहीं माना जा रहा, हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन कांग्रेस के अंदरूनी गलियारों में यह चर्चा लगातार तेज हो रही है कि सिंहदेव संगठन में बड़ी भूमिका की तैयारी कर रहे हैं।

### गुटबाजी खत्म करने का प्रयास या सिर्फ औपचारिक संवाद?

कोरिया जिले में कांग्रेस की गुटबाजी किसी से छिपी नहीं है, यह अंदरखाने चलने वाली राजनीति नहीं बल्कि खुलकर दिखाई देने वाली खेमेबाजी मानी जाती है, चुनावों से लेकर संगठनात्मक बैठकों तक इसका असर कई बार सामने आ चुका है, ऐसे में रनई का यह आयोजन यदि गुटबाजी खत्म करने की कोशिश था, तो सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या इस कोशिश का कोई असर दिखाई देगा? क्योंकि कार्यक्रम में भले सभी चेहरे एक मंच के आसपास नजर आए हों, लेकिन राजनीतिक दूरी खत्म हुई या नहीं, यह आने वाला समय बताएगा, जिले के कई कांग्रेस कार्यकर्ता अब यह कहते नजर आ रहे हैं कि एक शाम की चाय से वर्षों पुरानी गुटबाजी खत्म होना आसान नहीं है, हालांकि कुछ लोगों का यह भी मानना है कि कम से कम संवाद की शुरुआत तो हुई।

### सौम्य राजनीति की पहचान हैं : सिंहदेव

टीएस सिंहदेव की राजनीति हमेशा आक्रामक बयानबाजी से अलग रही है, वे अपने शांत स्वभाव, संयमित भाषा और तथ्य आधारित बयान के लिए पहचाने जाते हैं, राजनीतिक विरोधियों पर भी व्यक्तिगत टिप्पणी से बचना उनकी शैली का हिस्सा रहा है, यही कारण है कि उनके हर दौरे और बैठक को राजनीतिक दृष्टि से गंभीरता से देखा जाता है, रनई गांव में लगा यह दरबार भी अब सिर्फ स्थानीय आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि इसके राजनीतिक अर्थ तलाशे जा रहे हैं।

### चाय पर चर्चा या भविष्य की रणनीति?

कार्यक्रम को कुछ लोग चाय पर चर्चा बता रहे हैं, लेकिन जिस तरह दोनों जिलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही, उसने इस चर्चा को साधारण नहीं रहने दिया, अब कोरिया और एमसीबी जिले में एक ही सवाल सबसे ज्यादा पूछा जा रहा है–आखिर इस दरबार का असली उद्देश्य क्या था? क्या यह प्रदेश कांग्रेस की राजनीति का नया अध्याय लिखने की शुरुआत है? क्या सिंहदेव संगठन में नई भूमिका की तैयारी कर रहे हैं? या फिर यह सिर्फ कांग्रेसियों को एक मंच पर लाने की कोशिश थी? फिलहाल इन सवालों के जवाब किसी के पास नहीं हैं, लेकिन इतना जरूर है कि रनई गांव में लगी यह राजनीतिक चौपाल अब पूरे सरगुजा संभाग में चर्चा का विषय बन चुकी है।

**अटूट आस्था के 1000 वर्ष कार्यक्रम में संस्कृति,श्रद्धा और स्वाभिमान का अद्भुत संगम**

# कुदरगढ़ धाम में गूंजा सोमनाथ स्वाभिमान का जयघोष

-संवाददाता-
सूरजपुर,12 मई 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय संस्कृति, सनातन आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक सोमनाथ मंदिर की गौरवगाथा पर आधारित ऐतिहासिक आयोजन सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था के 1000 वर्ष का भव्य आयोजन आज सूरजपुर जिले के पवित्र कुदरगढ़ धाम में संपन्न हुआ। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन सूरजपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में धार्मिक आस्था,सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला,कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक महत्व प्रदान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु,जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### सोमनाथ की गौरवगाथा का हुआ स्मरण

कार्यक्रम के दौरान सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, वक्ताओं ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, आत्मगौरव और सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, सदियों तक विदेशी आक्रमणों और संघर्षों का सामना करने के बावजूद सोमनाथ मंदिर ने अपनी पहचान और आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखा, जो भारतीय समाज की अटूट श्रद्धा और संघर्षशीलता का प्रमाण है।

### दो ऐतिहासिक अवसरों से जुड़ा आयोजन

कार्यक्रम में यह भी उल्लेख किया गया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, पहला, वर्ष 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम विदेशी आक्रमण के एक हजार वर्ष पूर्ण होने का अवसर और दूसरा, स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण होने का ऐतिहासिक क्षण, वक्ताओं ने कहा कि यह पर्व भारतीय जनमानस के अदम्य साहस, अटूट संकल्प और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है।

### रामसेवक पैकरा ने बताया स्वाभिमान का प्रतीक

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि सोमनाथ की गाथा भारतीय समाज की अटूट श्रद्धा,धैर्य और संघर्षशीलता की अमर कहानी है, उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान को मजबूत करने का कार्य करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ते हैं।

### युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का संदेश

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े ने कहा कि सोमनाथ केवल मंदिर नहीं बल्कि हमारी सनातन संस्कृति और आस्था की अमिट पहचान है, उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपने इतिहास, परंपरा और संस्कृति के प्रति जागरूक बनाते हैं तथा उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखने का कार्य करते हैं।

### कलेक्टर रेना जमील ने बताया गौरव का विषय

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने अपने उद्बोधन में कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक आस्था का प्रेरणादायी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कुदरगढ़ धाम जैसे पावन स्थल पर इस आयोजन का होना सूरजपुर जिले के लिए गर्व का विषय है, उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव विश्व को शांति,आध्यात्म और मानवता का संदेश देती रही है और सोमनाथ मंदिर इस परंपरा का श्रेष्ठ उदाहरण है,कलेक्टर ने यह भी कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता से जोड़ने का कार्य करते हैं।

### बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु और जनप्रतिनिधि

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर,डीएफओ डी.पी. साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, एसडीएम श्रीमती चांदनी कंवर सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे, वहीं जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली, आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ऐतिहासिक प्रसंगों के माध्यम से उपस्थित लोगों ने सोमनाथ की गौरवगाथा का स्मरण किया और भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा के प्रति अपनी आस्था को पुनः व्यक्त किया, कार्यक्रम ने धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

# अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

**दो हाईवा, तीन ट्रैक्टर और एक मिनी ट्रक जप्त,कई वाहनों पर प्रकरण दर्ज**

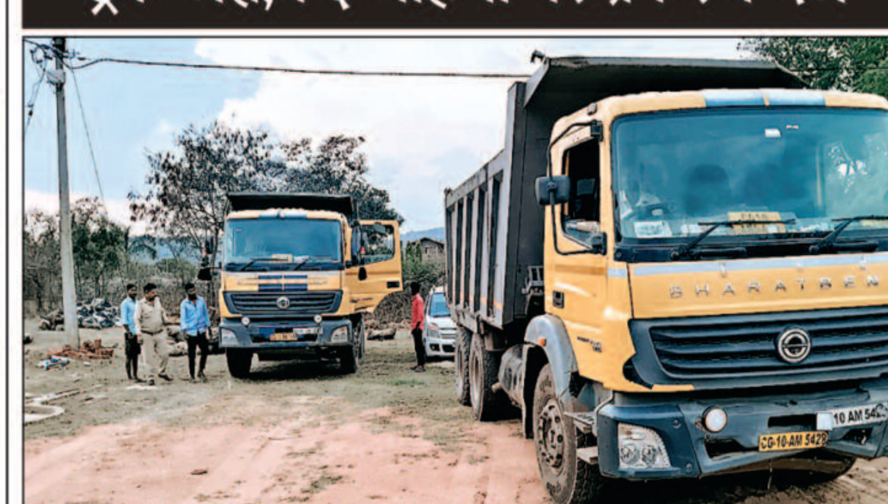

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/कोरिया,12 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, 4 मई से 10 मई के बीच चलाए गए विशेष अभियान के दौरान खनिज विभाग की टीम ने पटना, बैकुंठपुर एवं शिवपुर चरचा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो हाईवा, तीन ट्रैक्टर एवं एक मिनी ट्रक को जप्त किया है।

### गश्त के दौरान पकड़े गए वाहन

खनिज विभाग की टीम द्वारा नियमित गश्त एवं जांच के दौरान उक्त वाहनों में अवैध रूप से खनिज कोयला, ईंट एवं गिट्टी का परिवहन किया जाना पाया गया। जांच में आवश्यक दस्तावेज एवं वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभागीय टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहनों को मौके पर ही जप्त कर लिया। जप्त किए गए वाहनों को थाना बैकुंठपुर, चरचा एवं पटना में अभिरक्षा में रखा गया है। विभाग द्वारा संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

### इन वाहनों पर हुई कार्रवाई

खनिज विभाग द्वारा जिन वाहनों को जप्त किया गया उनमें सीजी 16 ए 2435 मिनी ट्रक,मालिक प्रदीप यादव,सीजी 16 सीजी 6738 ट्रैक्टर, मालिक ओम कैलाश, सीजी 15 एसी 3349 ट्रैक्टर, मालिक शिव कुमार, सीजी 16 सीआर 2013 ट्रैक्टर, मालिक राधे सिंह तथा सीजी 10 एएम 7044 एवं सीजी 10 एएम 5428 हाईवा, मालिक मेसर्स श्री राम कंस्ट्रक्शन शामिल हैं।

### गौण खनिज नियम के तहत प्रकरण दर्ज

खनिज विभाग ने सभी संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

### लगातार जारी रहेगा अभियान

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिज भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा भविष्य में भी नियमित निरीक्षण और जांच अभियान जारी रहेगा,उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खनिज संपदा की अवैध निकासी रोकने के लिए विभाग पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

## वेलकम डायरेक्टर संग होगी अक्षय कुमार की वापसी

### अनटाइटल फिल्म की रिलीज डेट फाइनल

सुपरस्टार अक्षय कुमार और वेलकम फिल्म निर्देशक अनीस बज्मी की अपकमिंग अनटाइटल फिल्म की रिलीज डेट फाइनल हो गई है।मौजूदा समय में अक्षय कुमार का नाम हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की सफलता को लेकर चर्चा में बना हुआ है। इसके अलावा वेलकम फिल्म निर्देशक अनीस बज्मी संग आने वाली अगली फिल्म को लेकर भी अक्की बीते समय से सुर्खियां बटोर रहा है। इस बीच मेकर्स की तरफ से अक्षय कुमार की इस अनटाइटल अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अभिनेता की ये मूवी कब रिलीज होगी।

### अक्षय और अनीस बज्मी की फिल्म

डायरेक्टर अनीस बज्मी की वेलकम और सिंह इज किंग जैसी फिल्मों में अक्षय कुमार बतौर लीड एक्टर काम कर चुके हैं। उनकी ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुईं। अब इन दोनों की जोड़ी लंबे समय बाद वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार है और अनटाइटल मूवी की रिलीज डेट भी फाइनल हो गई है। अक्षय और अनीस की इस मूवी के निर्माता साउथ सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर दिल राजू हैं और उनके प्रोडेक्शन हाउस श्री वेकेंटश्वर क्रिएशन ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर इस अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की है। ट्वीट में लिखा गया है- अक्षय कुमार, अनीस बज्मी और दिल राजू की तिकड़ी के साथ बनने वाली फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। फिल्म से जुड़ी बाकी अन्य जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।

इस तरह से मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को फाइनल कर लिया है। हालांकि, अभी इसके टाइटल की अनाउंसमेंट होना बाकी है।

### इन एक्ट्रेसेज संग नजर आएंगे अक्षय

बेशक निर्देशक अनीज बज्मी संग अक्षय कुमार की अगली फिल्म का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन इसकी कास्ट की जानकारी सामने आ गई है। जिसमें अभिनेत्री विद्या बालन और राशि खन्ना के नाम शामिल हैं। हाल ही में इस मूवी की शूटिंग का केरल शेड्यूल खत्म हुआ है, जिसकी पोस्ट अक्षय ने सोशल मीडिया पर शेयर की, इसमें दोनों एक्ट्रेसेज साथ नजर आईं।

# नए साल के जश्न में आंखें हुई थीं चार...लॉकडाउन पीरियड में रहे साथ

### खूबसूरत है मौनी रॉय और सूरज की लव स्टोरी

मौनी रॉय और सूरज नांबियार की लव स्टोरी किसी फेयरीटेल से कम नहीं है। एक अनजान मुलाकात कैसे दोस्ती और फिर प्यार में बदली शादी के 4 साल बाद मौनी रॉय और उनके बिजनेसमैन पति सूरज नांबियार के अलग होने की खबरों ने फैंस का दिल तोड़कर रख दिया है। साल 2022 में शादी के बंधन में बंधे मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने भले ही अभी तक अपने अलग होने की खबरों पर कोई रिएक्शन न दिया हो, लेकिन इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने को फैंस इस कपल के अलगाव का एक बड़ा इशारा मान रहे हैं। जितना दर्द फैंस को मौनी रॉय और सूरज नांबियार की अलग होने की खबरों ने दिया है, उतनी ही फेयरीटेल जैसी इस कपल की लव स्टोरी भी है, जिसे पढ़कर फैंस के चेहरों पर एक बड़ी सी मुस्कान आ जाएगी।

### 2019 में पहली बार टकराए थे मौनी रॉय-सूरज नांबियार

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूरज

नांबियार और मौनी रॉय की पहली मुलाकात 2019 में नए साल के मौके पर हुई थी। इस कपल को एक न्यू ईयर ईव पार्टी में एक म्यूचुअल फ्रेंड ने मिलवाया था। शुरुआत में सूरज नांबियार को मौनी रॉय के सेलिब्रिटी स्टेटस के बारे में बिल्कुल भी भनक नहीं थी। पार्टी में मुलाकात के बाद उनके बीच कैजुअल बातचीत स्टार्ट हुई, जो समय के साथ गहरी दोस्ती में बदल गई।

### कोरोना महामारी के दौरान कपल की बॉन्डिंग हुई मजबूत

सूरज से दोस्ती बढ़ने के बाद मौनी अक्सर दुबई आती-जाती थीं। दोनों ने एक-दूसरे के साथ थोड़ा ज्यादा समय बिताना शुरू किया, जिससे उनका रिश्ता और भी मजबूत हुआ। रिपोर्ट्स की मानें तो मौनी और सूरज नांबियार का रिलेशनशिप तब और भी ज्यादा गहरा हो गया, जब कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन हुआ और दोनों कुछ समय तक साथ रहे। उस दौरान दोनों को एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका तो मिला ही, साथ ही वे एक-दूसरे के परिवार को भी बेहतर तरीके से समझ पाए। कई सालों तक दुबई और मुंबई में रहकर मौनी रॉय और सूरज नांबियार लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में भी रहे।

### 3 साल बाद मौनी-सूरज ने की ड्रीम वेडिंग

एक-दूसरे को अच्छे से समझने और करीब तीन साल तक डेट करने के बाद, 27 जनवरी 2022 को कपल ने इंडस्ट्री के करीबी दोस्तों और दोनों के परिवार की मौजूदगी में सात फेरे लिए। इस कपल की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर बहुत वायरल हुई थीं, जिस पर फैंस ने काफी प्यार लुटाया था। ऐसे में शादी के चार साल बाद कपल के अलगाव की खबरों पर यकीन करना नागिन एक्ट्रेस के चाहने वालों के लिए काफी मुश्किल हो रहा है।

# फिल्म चांद मेरा दिल का ट्रेलर जारी

### प्यार और तड़प के बीच उलझी अनन्या-लक्ष्य की कहानी

चांद मेरा दिल के मेकर्स ने रोमांटिक ड्रामा का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा ट्रेलर रिलीज किया। इस ट्रेलर में दर्शकों को एक ऐसी इमोशनल लव स्टोरी की झलक देखने को मिली,जो जुनून, हार्ट ब्रेक और सेंसिटिव इमोशन से भरा है। अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में नजर आए है। यह फिल्म आज के जमाने के एक ऐसे रोमांस को दिखाती है जो लोगों से रिलेट कर सकती है। मेकर्स ने चांद मेरा दिल का ट्रेलर लॉन्च किया और इसे इंस्टाग्राम पर अपलोड किया। मेकर्स ने ट्रेलर को साझा करते हुए इसे एक दिल छू लेने वाला कैप्शन दिया है,जिसमें उन्होंने लिखा है, एक लव स्टोरी जो न तो परफेक्ट है, न ही प्लान की हुई,बस थोड़ी सी रियल है। चांद मेरा दिल : ट्रेलर अब रिलीज हो गया है. 22 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में.चांद मेरा दिल का ट्रेलर 2 मिनट 54 सेकंड का है। इसकी शुरुआत अनन्या पांडे और लक्ष्य के किरदार से होती है,जिसमें लक्ष्य का किरदार अनन्या के किरदारे से किसी चीज के लिए माफी मांगता है और अपनी गलती पर पछताते हुए नजर आता है। फिल्म में लक्ष्य ने आरव और अनन्या ने चांदनी का किरदार निभाया है। इसके बाद,ट्रेलर में दोनों के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। दर्शकों को उनके कॉलेज के दिनों में ले जाया जाता है,जहां उनकी लव स्टोरी पहली बार परवान चढ़ती है। उनकी केमिस्ट्री और जवानी का रोमांस ही इस ट्रेलर का केंद्र है। हालांकि,जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है,कहानी में ट्विस्ट आता है। दोनों के बीच एक ऐसी बात होती है जो उनकी लव स्टोरी को परफेक्ट होने से रोकती है और यह साफ तौर पर आरव की गलतियों की वजह से है। एक ऐसी गलती जिसके लिए उसकी अपनी बहन भी उसे पूरी तरह माफ़ नहीं कर पाती। लेकिन वह गलती है क्या? ट्रेलर इस टकराव के इर्द-गिर्द बड़ी चालाकी से घूमता है, बिना कहानी के आगे के राज खोले। यह कपल के बीच एक बड़े झगड़े की ओर इशारा करता है,जिससे चांदनी का दिल टूट जाता है,जबकि आरव उसे वापस पाने की पूरी कोशिश करता हुआ दिखाई देता है। पूरे ट्रेलर में किरदारों के बीच का तनाव साफ दिखाई देता है। ट्रेलर का अंत एक खूबसूरत लाइन के साथ होती है,जिसमें आरव,चांदनी से कहता है,तू सच में चांद है यार,नूर भी,गुरूर भी और दूर भी। धर्मा प्रोडक्शंस के सहयोग से बनी इस फिल्म को करण जौहर,आदर पूनावाला,अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा और मारिज्के डिसूजा ने प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है,जिन्होंने इससे पहले नेटफ्लिक्स फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर का निर्देशन किया था। इस फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिलहाल चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए है।

## टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं,बल्कि उनका दर्द दिखाएगी अगली स्टोरी : अविका

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म अगली स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि टॉक्सिक और जुनून के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। अगली स्टोरी दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है। रिया जिया प्रोडक्शंस के बैनर तले सीएच सुभाषिनी और कोंडा लक्ष्मण द्वारा निर्मित अगली स्टोरी एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा महादास्यम, शिवाजी राजा, और प्रज्ञा नयन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। अगली स्टोरी 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## खेल समाचार

## एशियन बॉक्सिंग यू-15-यू-17 चैंपियनशिप में लक्ष्य फाइनल में पहुंचे

**ताशकंद ,12 मई 2026।** भारत के -17 लड़कों के लिए एशियन बॉक्सिंग 17 चैंपियनशिप 2026 में एक मुश्किल दिन रहा,जिसमें लक्ष्य फोगट अकेले फाइनलिस्ट बने,जबकि चार अन्य बॉक्सरों ने ताशकंद,उज़्बेकिस्तान में अपने सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किए। 75किग्रा कैटेगरी में,लक्ष्य फोगट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया के सेउंगमिन ली को 5:0 के एकमत फैसले से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। एक प्रेस रिलीज़ के मुताबिक,दूसरे सेमीफाइनल मुकाबलों में, नरेंद्र नेला (46किग्रा) उज़्बेकिस्तान के अब्दुल्लाह नुरालिएव से 0:5 से हार गए। यश यादव (50किग्रा) मंगोलिया के सुल्ड उसुखबातर से 1:4 से हार गए, जबकि निवेश पाल (54किग्रा) को उज़्बेकिस्तान के अब्दुलबोसित युरसुनबोएव से 0:5 से हार मिली। एक करीबी मुकाबले में, नमन (70किग्रा) उज़्बेकिस्तान के अब्दुवोहिद अब्दुमाजिदोव से 2:3 से हार गए। अलग-अलग वेट कैटेगरी में एक फाइनलिस्ट और चार ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के साथ, भारतीय -17 लड़कों की टीम फाइनल में मज़बूती से फिनिश करने की कोशिश करेगी। इससे पहले टूर्नामेंट में, राखी (46किग्रा) ने चीन की याटिंग झांग के खिलाफ तीसरे राउंड में शानदार आरएससी जीत के साथ लीड किया। 48 किग्रा में, खुशी चंद ने मंगोलिया की मुंगुनज़ुल अल्तमगदासा पर 5:0 से ज़बरदस्त जीत हासिल की। एक रिलीज़ में कहा गया कि 52किग्रा कैटेगरी में, ममता मुरलीधर राउत चीन की याक्सिन किउ से 0:5 से हार गईं, जबकि लक्ष्मी मंजूनाथ लमानी (54किग्रा) उज़्बेकिस्तान की कुमरिनिसो मुहम्मदोवा से 1¬4 से हार गईं। नव्या (57किग्रा) मंगोलिया की डागीमा चुलुतुमुर के खिलाफ दूसरे राउंड में आरएससी जीत के साथ फाइनल में पहुंचीं। 60किग्रा में, इशिका कज़ाकिस्तान की बालिम गैबिटकीज़ी से 2:3 से करीबी मुकाबले में हार गईं। दिया (63किग्रा) ने चीनी ताइपे की जिया-एन सोंग पर पहले राउंड में आरएससी से शानदार जीत हासिल की। 66किग्रा कैटेगरी में, हरनूर कौर कज़ाकिस्तान की अयाउलीम ओस्पानोवा से 0:5 से हार गईं। हिमांशी (70किग्रा) ने जॉर्डन की जूड हबी के खिलाफ पहले राउंड में आरएससी से जीत हासिल की। 75किग्रा में, ज्योति ने चीनी ताइपे की चेंग-हुई जू के खिलाफ पहले राउंड में आरएससी जीत के साथ आगे बढ़ीं। वंशिका (80किग्रा) ने उज़्बेकिस्तान की फ़ेरुज़ाबोनू कामोलोवा पर 4¬1 से मज़बूत जीत दर्ज की। 80+किग्रा कैटेगरी में, गुरसीरत कौर ने चीनी ताइपे की शिन-यिंग हुआंग के खिलाफ पहले राउंड में आरएससी जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

## दिल्ली कैपिटल्स के माधव तिवारी को मिला प्लेयर ऑफ द मैच

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 55वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया। धर्मशाला में हुए मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के बड़े लक्ष्य को दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में हासिल किया। रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स की इस जीत में माधव

तिवारी की अहम भूमिका रही, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आइए उनके प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।दिल्ली कैपिटल्स ने जब 170 रन के स्कोर पर अपना छठा विकेट खोया, तब माधव क्रीज पर आए। उन्होंने 8 गेंदों में 2 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 24 रन बनाए। उन्होंने आशुतोष शर्मा (24) के साथ मिलकर 7वें विकेट के लिए 14 गेंदों में 35 रन जोड़े। इससे पहले गेंदबाजी में उन्होंने 40 रन देते हुए 2 विकेट लिए थे। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली को आउट किया। पंजाब किंग्स को प्रभसिमरन (18) और प्रियांश (56) ने मिलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान अय्यर ने अर्धशतक (59) लगाया। अंतिम ओवरों में कूपर कोनोली (38) और सूर्यांश शेडगे (29) ने टीम को 210/5 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स को अभिषेक पोरेल (5) और केएल राहुल (9) दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इसके बाद कप्तान अक्षर पटेल (56) और डेविड मिलर (51) ने संघर्ष किया। आखिर में आशुतोष शर्मा (24) और माधव (18) ने जीत दिलाई।

# बांग्लादेश से हार के बाद पाकिस्तान का बुरा हाल

**बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ढाका में खेला गया...यह मैच बांग्लादेश ने 103 रन से अपने नाम कर लिया...इस हार के बाद डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ है...**

**नई दिल्ली,12 मई 2026।** ढाका के शेर ए बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 8 मई से खेला गया। यह मैच बांग्लादेश ने पांचवें दिन 104 रन से जीत लिया। 268 रन के टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर ही ऑल आउट हो गया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने 1-0 की लीड हासिल कर ली है।

### कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

बांग्लादेश ने टॉस गंवाकर पहले बैटिंग करते हुए पहली पारी में 413 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान ने पहली पारी में 386 रन बनाए। बांग्लादेश को 27 रन की बढ़त मिली। उन्होंने दूसरी पारी

में 9 विकेट पर 240 रन बनाए और अपनी इनिंग्स को डिक्लेयर कर दिया। इसके चलते बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 268 रन का टारगेट दिया, जिसको पाकिस्तान चेज नहीं कर पाई।

### बांग्लादेश से हार के बाद पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान

बांग्लादेश से मिली 104 रन की हार के बाद पाकिस्तान को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में बड़ा नुकसान हुआ है। पाकिस्तान को दो पायदान का नुकसान हुआ है। वे पहले पांचवें पायदान पर थे। लेकिन इस हार के साथ वे टेबल में सातवें पायदान पर आ गए हैं। इसी के साथ भारत को एक पायदान का फायदा हुआ है। वे पांचवें पायदान पर आ गए हैं। बांग्लादेश इस जीत से आठवें नंबर से उठकर छठे नंबर पर आ गई है।

## होल्गर रूने ने फ्रेंच ओपन से नाम वापस लिया

**ऑकलैंड ,12 मई 2026।** पूर्व विश्व नंबर-5 टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने फ्रेंच ओपन 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने यह फैसला अकिलिस टेंडन सर्जरी के बाद रिकवरी प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए लिया है। रूने ने अब अपनी वापसी को अगले महीने शुरू होने वाले ग्रास कोर्ट सीजन तक टाल दिया है। होल्गर रूने ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि क्ले कोर्ट सीजन को छोड़ने का निर्णय लेना आसान नहीं था, लेकिन यह उनके स्वास्थ्य और लंबे करियर के लिए सही कदम है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह फिट होकर वापसी करना उनकी प्राथमिकता है। रूने ने अपने संदेश में यह भी कहा कि वह ग्रास कोर्ट सीजन में वापसी को लेकर उत्साहित हैं और प्रशंसकों से जल्द मिलने की उम्मीद करते हैं। उनके इस फैसले के बाद टेनिस जगत में उनकी गैरमौजूदगी को एक बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर फ्रेंच ओपन जैसे प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में। जानकारी के अनुसार, अकिलिस टेंडन सर्जरी के बाद रिकवरी प्रक्रिया लंबी और सावधानीपूर्ण होती है, जिसमें खिलाड़ी को पूरी तरह फिट होने में समय लगता है। इसी कारण रूने ने जोखिम न लेते हुए क्ले सीजन से दूरी बनाने का निर्णय लिया है।

## राजधानी में आईपीएल के तहत आरसीबी और केकेआर के बीच मुकाबला आज

**रायपुर,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों का आज इंतजार खत्म हो गया है। 10 मई रविवार को आईपीएल 2026 का मुकाबला खेला गया। यह मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया था। इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने 2 विकेट से जीत दर्ज की थी। बेंगलुरु की टीम ने रायपुर के स्टेडियम को अपना दूसरा होमग्राउंड बनाया है। वहीं रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2026 का 57वां मुकाबला होने जा रहा है। यह मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। आरसीबी और केकेआर के बीच यह मुकाबला बुधवार यानी की 13 मई 2026 को शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। ऐसे में छत्तीसगढ़ के

दर्शकों को एक बार फिर से आईपीएल का रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। इसी बीच एक ऐसी खबर निकलकर सामने आई जिसे जानकर हर कोई झूम उठेगा। दरअसल, बुधवार को होने वाले मैच में शामिल होने के लिए बॉलीवुड के सुपरस्टार और चयक्रके मालिक शाहरुख खान रायपुर आ सकते हैं। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से ये खबर सामने आई है। शाहरुख खान के साथ उनके बेटे आर्यन खान की भी रायपुर आने की संभावना है। ऐसा कहा जा रहा है कि, किंग खान विशेष चार्टर्ड प्लेन से रायपुर पहुंच सकते हैं। केकेआर का मैच देखने के बाद शाहरुख खान देर रात को वापस लौट सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने इस सीजन में अब तक जितने भी मुकाबले खेले हैं शाहरुख खान उन मुकाबलों को देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि, बुधवार को रायपुर में होने वाले केकेआर और आरसीबी के मुकाबले को देखने के लिए भी शाहरुख खान रायपुर पहुंच सकते हैं।

# छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सहित एक करोड़ नकद बरामद

## जंगल में बनाया था सीक्रेट डंप,AK-47,SLR,इंसास-रायफल भी बरामद

**नारायणपुर,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल से मंगलवार को सुरक्षा बलों ने नक्सली डंप से एक करोड़ एक लाख 64 हजार रुपये की नकदी सहित बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुड़िया ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ' माड़ बचाओ अभियान' के तहत यह कार्रवाई नारायणपुर पुलिस,डीआरजी,एसटीएफ,आईटीबीपी और बीएसएफ की संयुक्त टीम के द्वारा जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा था। इसी अभियान के दौरान नक्सलियों के छिपाकर रखी नकदी, बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री के डंप का पता चला। एसपी गुड़िया ने बताया कि सुरक्षाबलों की टीम आज अबूझमाड़-महाराष्ट्र सीमा से लगे जंगल में सुरक्षाबलों की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इस दौरान बड़ी मात्रा में नकद राशि और नक्सल सामग्री जमीन में गढ़ा हुआ मिला, जिसे बरामद किया गया है। डंप में आईईडी बनाने का सामान, हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग का सामान था। वहीं, कुछ पोस्टर भी मिले हैं, जो नक्सलियों के लीडर के बताए जा रहे हैं। इतनी बड़ी रकम कहां से

आईपुलिस इसकी जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि साल 2025-26 में अब तक जिले में कुल 270 हथियार बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों या आस-पास किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस और केंद्रीय बलों को दें, ताकि जिले को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाया जा सके।

### पुलिस के अनुसार बरामद नक्सली डंप से

1. AK47 रायफल-03 नग, 2. SLR रायफल- 03 नग, 3. 303 रायफल - 02 नग, 4. 315 रायफल-01 नग, 5. AK47 रायफल का मैग्जीन-05 नग, 6. AK47 रायफल का जिंदा कारतूस-113 नग, 7. SLR रायफल का जिंदा कारतूस-182 नग, 8. SLR रायफल का मैग्जीन-13 नग, 9. इंसास रायफल का मैग्जीन-01 नग, 10. 303 रायफल रायफल का मैग्जीन-02 नग, 11. 303 रायफल का जिंदा कारतूस-45 नग, 12. 315 रायफल का मैग्जीन - 01 नग, 13. 315 रायफल का जिंदा कारतूस - 41 नग, 14. 12 बोर बंदूक - 02 नग, 15. देशी कट्टा - 02 नग, 16. 12 बोर का जिंदा कारतूस - 19 नग, 17. एयर गन - 01 नग, 18. बीजीएल सेल - 132 नग, 19. इलेक्ट्रानिक डेटोनेटर-08 नग, 20. कॉर्डेक्स वायर - 06 बंडल, 21. मोटोरोला सेट MODEL NO- M33GMO29C2AA-01 नग, 22. वॉकीटॉकी बॉओफेंग-06 नग, 23. SMG कार्टेज-12 नग, 24. BGL-02 नग, 25. BGL कार्टेज-14 नग, 26. सोरा -5KG लगभग, 27. व्हाईट पाउडर -3KG, 28. रेडियो सेल - 4 सेट, 29. बिजली वायर - 02 बंडल, 30. अन्य दैनिक नक्सल सामग्री बरामद किया गया है।

# दुर्ग में सिलेंडर ब्लास्ट से 4 लोग जिंदा जले

## खंभे में शॉर्ट-सर्किट,मकान में लगी आग,किचन में धमाका

**दुर्ग-भिलाई,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार दोपहर सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जल गए। मृतकों में 2 बहनें, पिता और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल है। जानकारी के मुताबिक कुम्हारी स्थित खंभे में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी थी। आग किचन तक पहुंच गई, जिससे गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आग की लपटों ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। घर के अंदर मौजूद परिवार के सदस्य बाहर निकल नहीं सके और जिंदा जल गए। यह मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है। आसपास के लोगों ने धमाके की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग काफी फैल हो चुकी थी। इसके बाद घर के अंदर से 4 लोगों के शव बरामद किए गए। मुख्यमंत्री ने मृतकों को 5-5 लाख रुपए और जिला प्रशासन ने 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। परिजनों ने बताया कि आज ही सिलेंडर भरवाकर लाए थे। जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय घर में 2 बहनें लक्ष्मी और चांदनी मौजूद थीं। पिता अनिल वैष्णव भी घर में थे। वहीं अनिल वैष्णव की पत्नी, बेटा और एक बेटी घर के बाहर थे, जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि, बाहर मौजूद बेटी की डेढ़ साल की मासूम बच्ची घर के अंदर थी, जिसकी भी आग में जलकर मौत हो गई। हादसे के दौरान बेटा गौतम (17) अपने दोस्तों के साथ आग बुझाने की कोशिश करता रहा,

लेकिन आग तेजी से फैल गई। इसी बीच सिलेंडर ब्लास्ट हो गया।

### शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, खंभे में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी। आग छत के रास्ते फैलते हुए किचन तक पहुंच गई। इसके बाद आग की चपेट में सिलेंडर आ गया, जिससे जोरदार ब्लास्ट हुआ। हादसे के वक्त सभी लोग घर में सो रहे थे और धमाके के कारण उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिल पाया। हादसे के बाद घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मौके से जले हुए शव बरामद किए गए हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

# बालोद में मिट्टी धंसने से 3 मजदूरों की मौत

## बीएसपी के सीवरेज प्रोजेक्ट में हादसा,10 फीट गड्ढे में दबे

**बालोद,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मिट्टी धंसने से 3 मजदूरों की दबकर मौत हो गई। मृतकों में 2 पुरुष और एक महिला शामिल है। मंगलवार शाम दल्लीराजहरा में दास पान ठेला चौक के पास यह हादसा हुआ। मजदूर सीवरेज पाइप बिछाने के लिए खुदाई कर रहे थे, तभी अचानक मिट्टी धंस गई और वे 10 फीट गहरे गड्ढे में दब गए। घटना दल्लीराजहरा क्षेत्र की है। भिलाई स्टील प्लांट के सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट के तहत यह काम हो रहा था। मृतकों की पहचान किशुन कुमार, राकेश कुमार और बैशाखिन के रूप में हुई है।

### मिट्टी धंसी तो निकलने का मौका नहीं मिला

जानकारी के अनुसार, बीएसपी की सीवरेज लाइन विस्तार प्रोजेक्ट के तहत गहरी खुदाई कर पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी भरभराकर ढह गई और गड्ढे के भीतर काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

### 10 फीट गहरे गड्ढे में कर रहे थे काम

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के 10 फीट गहरे गड्ढे में काम कराया जा रहा था। न तो सुरक्षा बैरिकेडिंग थी और न ही मिट्टी धंसने से बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे।

### सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप

लोगों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और बीएसपी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य चलाया गया, लेकिन तब तक तीनों मजदूरों की जान जा चुकी थी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

## प्रधानमंत्री की अपील पर कांग्रेस का पलटवार,महंगाई और ईंधन संकट को लेकर उठाए सवाल

# 'कम उपयोग' की सलाह जख्म पर नमक छिड़कने जैसा,सरकार जिम्मेदारी से बच रही है : दीपक बैज

**रायपुर,12 मई 2026।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता में कहा कि देश पहले से महंगाई, पेट्रोल-डीजल संकट और बेरोजगारी से जूझ रहा है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री लोगों को कम इस्तेमाल की सलाह देकर अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों से उर्वरक कम इस्तेमाल करने, महिलाओं से तेल और गैस बचाने, कर्मचारियों से 'वर्क फ्रॉम होम' करने, लोगों से सोना और विदेश यात्रा कम करने की अपील की है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार संकट का समाधान निकालने के बजाय जनता को 'कम खर्च करो' का संदेश दे रही है।

### खाद नहीं, सलाह मिल रही

कांग्रेस ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन के लिए करीब 15 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की जरूरत है, लेकिन अभी तक सिर्फ 51 हजार मीट्रिक टन खाद ही समितियों तक पहुंच पाई है। बैज ने कहा कि किसान पहले से खाद संकट और बढ़ती लागत से परेशान हैं, ऐसे में उर्वरक कम इस्तेमाल करने की सलाह उनकी उत्पादन क्षमता पर असर डालेगी।

### वर्क फ्रॉम होम की सलाह मैदान में काम करने वालों को कैसे लागू होगी?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश में बड़ी आबादी फील्ड जॉब, छोटे कारोबार, ठेला-फेरी और दैनिक कामकाज पर निर्भर है। ऐसे लोगों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' जैसी सलाह व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जिक्र करते हुए कहा कि पहले 'आराम हराम है' का संदेश दिया जाता था, जबकि अब लोगों को घर बैठने की सलाह दी जा रही है।

### रसोई से लेकर पेट्रोल तक महंगा

कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 2013 और 2026 के दामों की तुलना करते हुए दावा किया कि आटा, दाल, तेल, दूध, गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ चुके हैं। बैज ने कहा कि रसोई का बजट पहले ही बिगड़ चुका है और महिलाएं हर जरूरी चीज में कटौती करने को मजबूर हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पेट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर केंद्र सरकार ने जनता से लाखों करोड़ रुपए वसूले हैं,लेकिन राहत देने के बजाय बचत की अपील की जा रही है।

### सोना मत खरीदो, लेकिन खुद विदेश यात्राओं पर खर्च : दीपक बैज

बैज ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने विदेश दौरों और विशेष विमान पर भारी खर्च किया है, जबकि आम लोगों को खर्च कम करने की सलाह दी जा रही है। कांग्रेस ने कहा कि अगर डीजल-पेट्रोल बचाने की जरूरत है तो इसकी शुरुआत मंत्रियों और नेताओं के बड़े काफिलों से होनी चाहिए। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन संकट से निपटने में असफल रही है। पार्टी ने यह भी कहा कि पिछले 12 वर्षों में तेल भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया, जिसका असर अब संकट के समय दिखाई दे रहा है। प्रेस वार्ता में धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, शिवकुमार डहरिया और सुशील आनंद शुक्ला समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

# छत्तीसगढ़ में घंटों पहले कटा हुआ तरबूज खाने से एक किशोर की मौत,4 की हालत गंभीर

**जांजगीर-चांपा,12 मई 2026।** जांजगीर-चांपा जिले के घुरकोट गांव में तरबूज खाने के बाद पांच बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी बच्चों को उल्टी-दस्त और सांस फूलने की शिकायत होने लगी। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन रास्ते में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि चार बच्चों का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, पोड़ी दलहा निवासी अखिलेश धीवर (15), अवरीद निवासी श्री धीवर (4), खटोला निवासी पिंटू धीवर (12), नरेंद्र धीवर और कोटगढ़ निवासी हितेश धीवर (13) शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने मामा के गांव घुरकोट पहुंचे थे। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सभी बच्चों ने घर में रखा तरबूज खाया था। बताया जा रहा है कि करीब दो घंटे बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। सबसे पहले अखिलेश धीवर को उल्टी-दस्त और सांस लेने में दिक्कत हुई। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

## CGPSC घोटाला 2003 : सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया सुलह का रास्ता..दोनों पक्षों को लोक अदालत में बुलाया याचिकाकर्ता बोलीं-हाईकोर्ट के फैसले पर हो अमल

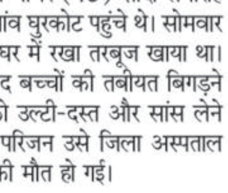

**बिलासपुर,12 मई 2026।** CGPSC-2003 के बहुचर्चित गड़बड़ी का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में सुलह कराने के लिए समझौते का रास्ता अपनाया है। मामले में याचिकाकर्ता वर्षा डोंगरे और चयनित उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट में आयोजित समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) में बुलाया गया है। हालांकि, वर्षा डोंगरे का कहना है कि इस मामले में समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट पहले ही इस मामले में फैसला दे चुका है, इसलिए उसे लागू किया जाना चाहिए। बतादें कि हाईकोर्ट ने 2017 में चयन सूची को रद्द करते हुए नए सिरे से मेरिट सूची बनाने और पदस्थापना का आदेश जारी किया था। इस पर अमल होने की स्थिति में आधा दर्जन डिप्टी कलेक्टर निचले पदों पर चले जाते, लेकिन मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। तब से यह मामला लंबित है और चयनित उम्मीदवारों के पक्ष में स्टे पर केस चल रहा है। साल 2003 में पीएससी द्वारा की गई गड़बड़ी दो साल तक छिपी रही। वर्ष 2005 में केंद्र सरकार ने सूचना का अधिकार कानून लागू किया।

# रायपुर रेंज में 13 गांजा तस्कर गिरफ्तार

## फेरीवाले बनकर बाइक से कर रहे थे गांजे की तस्करी,1 करोड़ 98 लाख का सामान जब्त

**रायपुर,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ की रायपुर रेंज पुलिस ने 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत 13 अंतरराज्यीय गांजा आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महासमुंद और धमतरी जिले में कार्रवाई कर 378 किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ और वाहनों समेत कुल संपत्ति की कीमत करीब 1 करोड़ 98 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, तस्करों ने इस बार गांजा सप्लाई का बेहद शातिर तरीका अपनाया था। आरोपी खुद को कपड़ा बेचने वाला फेरीवाला बताकर बाइक से गांजा तस्करी कर रहे थे। बाइक की पिछली सीट के पीछे कपड़ों के ढेर की आड़ में लोहे का खास कम्पार्टमेंट बनाया गया था, जिसमें गांजा छिपाकर ले जाया

जा रहा था। बाहरी तौर पर वे सामान्य स्ट्रीट वेंडर नजर आते थे। रायपुर रेंज के आईजी ने बताया कि तकनीकी निगरानी, मुखबिर सूचना और अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर लगातार चेकिंग के कारण तस्करी की यह नई तरकीब भी नाकाम कर दी गई। गांजा ओडिशा के बालिगुड़ा और रायगढ़ा इलाके से लाकर मध्यप्रदेश में खपाने की तैयारी थी।

**महासमुंद जिले में 10 आरोपी गिरफ्तार :** महासमुंद जिले में बसना और कोमाखान पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 247 किलो गांजा जब्त किया। यहां 10 आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपी 7 मोटरसाइकिलों में गांजा लेकर जा रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी मध्यप्रदेश,महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं।

**धमतरी में नाबालिग सहित तीन आरोपी गिरफ्तार :** वहीं धमतरी जिले में वाहन चेकिंग के दौरान 131 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों और एक नाबालिग को पकड़ा गया। यहां भी तस्कर कपड़ा फेरी का बहाना बनाकर तीन बाइक में गांजा छिपाकर ले जा रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई में कुल 11 मोटरसाइकिल, 9 मोबाइल फोन, नगदी और गांजा छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए लोहे के जाले जब्त किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह संगठित अंतरराज्यीय गिरोह है, जो लगातार तस्करी के नए तरीके अपनाकर पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रहा था।

# दिनदहाड़े IIIT हॉस्टल में लूट! परीक्षा देते छात्रों के 15 लैपटॉप चुराकर चोर फरार

**रायपुर,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के हॉस्टल में सोमवार दोपहर चोरी की बड़ी घटना सामने आई। सेमेस्टर परीक्षा के दौरान एक अज्ञात युवक हॉस्टल परिसर में घुसा और छात्रों के कमरों से 15 से ज्यादा लैपटॉप चोरी करके फरार हो गया। सोमवार को अधिकांश छात्र सेमेस्टर परीक्षा देने के लिए कक्षाओं में थे। इसी दौरान सफेद शर्ट पहने एक युवक बिना किसी रोक-टोक के हॉस्टल में दाखिल हुआ। उसने एक-एक कर कई कमरों में घुसकर लैपटॉप्स निकाले और दो बड़े बैगों में भर लिए। इसके बाद वह आराम से हॉस्टल से बाहर निकल गया। शाम को परीक्षा खत्म कर लौटे छात्रों ने जब कमरे खोले तो सामान बिखरा पड़ा मिला और लैपटॉप गायब थे।

घटना की सूचना मिलते ही पूरे हॉस्टल में हड़कंप मच गया। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध युवक दो बैग लेकर हॉस्टल से बाहर जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उस समय हॉस्टल गेट पर सुरक्षा गार्ड मौजूद था, लेकिन उसने युवक को न रोका और न ही उससे कोई पूछताछ की।इस लापरवाही पर छात्रों में भारी गुस्सा है। छात्रों का कहना है कि यदि सुरक्षा कर्मियों ने सतर्कता बरती होती तो यह चोरी रोकी जा सकती थी। पीड़ित छात्रों ने बताया कि चोरी गए लैपटॉप में

# नर्सिंग सिस्टर अब कहलाएंगी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर

**रायपुर,12 मई 2026।** स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राज्य की नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार 'नर्सिंग सिस्टर' अब 'सीनियर नर्सिंग ऑफिसर' कहलाएंगी जबकि स्टाफ नर्स का नाम नर्सिंग ऑफिसर होगा। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये घोषणा की है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी व

नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नर्से स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो दिन-रात समर्पण भाव से मरीजों की देखभाल कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं।

# शव यात्रा प्रदर्शन को लेकर विधायक देवेंद्र समेत 17 पर एफआईआर

## कांग्रेस व भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच हुआ था विवाद...

**बेमेतरा,12 मई 2026।** छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में गौवंश की मौत को लेकर किया गया युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन अब राजनीतिक विवाद का मुद्दा बन गया है। शव यात्रा निकालकर प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक गुरुदयाल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रांजल तिवारी सहित 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

**भाजपा नेत्री की शिकायत पर मामला दर्ज :** यह प्रकरण भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य अंजू बघेल की लिखित शिकायत के बाद दर्ज किया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया और माहौल खराब करने की कोशिश की गई। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, बेमेतरा में बड़ी संख्या में गौवंश की मौत का मामला सामने आने के बाद युवा कांग्रेस लगातार सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही और अव्यवस्था के कारण करीब 300 गौवंशों की मौत हुई, लेकिन सरकार ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। दरअसल गौवंशों की मौत के मामले में जिला युवा कांग्रेस ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व गौ सेवा आयोग के प्रदेश अध्यक्ष की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली।

इस दौरान कांग्रेस व भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होने के साथ नौबत हाथपाई तक पहुंच गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गौवंशों की मौत प्रशासनिक विफलता का परिणाम है और कांग्रेस सिर्फ जनता की आवाज उठा रही थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

CMYK